SEHGAL FOUNDATION

प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

जन भागीदारी से ग्राम विकास परियोजनाओं में स्थायित्व

प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

जन भागीदारी से ग्राम विकास परियोजनाओं में स्थायित्व

विषय वस्तु

प्रस्तावना	1
स्थायित्वः तर्क और प्रक्रिया	3
स्थायित्व पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	7
सत्र 1: एक दूसरे को जानना और गांव में विकास की जरूरतों का आकलन	11
सत्र 2: आत्मविश्वास बढ़ाना और सार्वजनिक रूप से बोलना	17
सत्र 3: ग्राम पंचायत, वार्ड सभा और विकास पहल में लिंग को मुख्यधारा में लाना	23
सत्र 4: विकास पहलों का सहभागी मूल्यांकन	31
सत्र 5: ग्राम पंचायतों की भूमिका और ग्राम पंचायतों, कृषि विज्ञान केंद्रों और सरकारी विभागों के साथ तालमेल	39
सत्र 6: ग्राम पंचायत के वार्डों में विकास योजना	43
अनुलग्नकः ग्राम विकास समिति पाठ्यचर्या	49
संदर्भ	54

प्रस्तावना

2013 में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) अधिनियम के लागू होने के साथ गैर–लाभकारी संस्थाओं के लिए वित्त पोषण परिदृश्य बदल गया है। भारतीय कंपनियों ने वर्ष 2013 से 2020 के बीच करीब एक लाख करोड़ रुपये खर्च किये हैं। हालांकि, परोपकारी फाउंडेशन और विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम अनुदान के माध्यम से भी करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। अधिकांश परियोजनाएं कार्यान्वयन एजेंसियों को केवल दो–तीन वर्षों के लिए दी जाती हैं। इसका मतलब है कि कार्यान्वयन एजेंसियां नए क्षेत्र में प्रवेश करती हैं और परियोजना समाप्त होने के बाद इससे बाहर निकल जाती हैं। इसके बाद, विभिन्न संरचनाएं जैसे स्कूल, पीने के पानी की सुविधा, चेक डैम, आजीविका कार्यों आदि को बनाये रखने की जिम्मेदारी स्थानीय समुदाय या ग्राम पंचायत या क्षेत्र के शहरी निकाय पर आ जाती है। यदि स्थानीय समुदाय या ग्राम पंचायत या शहरी निकाय में परियोजनाओं को बनाए रखने की क्षमता नहीं है, तो कुछ वर्षों के बाद धीरे–धीरे परियोजनाओं में गिरावट आने लगेगी और खर्च किए गए धन से क्षेत्र में स्थायी संपत्ति या परियोजनाएं नहीं बनाई जा सकेगी।

चूंकि इन परियोजनाओं की अवधि अल्पकालिक होती है, यानी ज्यादा से ज्यादा दो साल तक होती है। सभी परियोजनाओं, चाहे वो ईंट और सीमेंट से जुड़ी परियोजनायें ही क्यों न हो, सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता होती है, ताकि सामुदायिक स्तर पर हितधारक परियोजना की अवधि समाप्त होने के बाद परियोजनाओं को अपने हाथ में लेने के महत्व को समझ सकें। वार्ड सभा/ग्राम सभा में जागरूकता सत्रों के साथ ग्राम पंचायत की नियमित क्षमता निर्माण परियोजनाओं द्वारा क्षेत्र में बदलाव की प्रक्रिया के बारे में समुदाय को जागरूक करता है और फिर उसे परियोजनाओं को "अपने हाथ में लेने" की जरूरत महसूस होती है। यह उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि समुदाय उनके क्षेत्र में किसी विकास परियोजना का स्वतः ही मालिक हो जायेगा। यह अपने आप नहीं होगा। इसके लिए ग्राम स्तर पर समुदाय आधारित संस्थानों के साथ मिलकर परियोजनाओं के स्थायित्व के लिए समुदाय का व्यवस्थित क्षमता निर्माण/वर्धन व जागरूकता का सृजन किया जाना चाहिए।

प्रशिक्षण मार्गदर्शिका में सहभागी साधनों के साथ परियोजना क्षेत्रों में स्थायित्व की पहल के लिए कुछ उपायों का वर्णन किया गया है, लेकिन कोई समुदाय अपने संदर्भ में अपने बल पर अधिक स्थायित्व की पहल कर सकता है। प्रशिक्षण मार्गदर्शिका का उद्देश्य किसी परियोजना क्षेत्र में समुदाय द्वारा स्थायित्व के लिए सामूहिक कार्रवाई को गति प्रदान करना है, ताकि लोगों को उनके फायदे के लिए शुरू की गई विकास परियोजना का लाभ मिलता रहे।

15 अगस्त, 2022 **डॉ. विकास झा, प्रिंसिपल लीड, स्थानीय भागीदारी एवं विकास, सहगल फाउंडेशन**

महिला नेतृत्व स्कूल
मुजफ्फरपुर, बिहार
भारत

स्थायित्व: तर्क और प्रक्रिया

स्थायित्व: तर्क और प्रक्रिया

एकीकृत ग्राम विकास, कृषि और पानी पर केंद्रित परियोजनाओं में स्थायित्व का उद्देश्य ग्रामीणों और ग्राम पंचायत सदस्यों को परियोजना में सृजित संपत्ति/संरचनाओं को बनाए रखने और परियोजनाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करना और उससे जोड़ना है, ताकि परियोजना समाप्त होने के बाद भी उन्हें उनका फायदा मिलता रहे। इसके अलावा, अधिक से अधिक ग्रामीण अपने ग्रामीण साथियों के अनुभव से सीखते हुए सफल हस्तक्षेप को अपना सकते हैं। ग्राम निवासी कृषि विज्ञान केंद्रों, ग्राम पंचायत और सरकारी विभागों के साथ मिलकर काम करने के तरीके भी सीखेंगे, ताकि सरकारी योजनाओं के कल्याणकारी लाभों तक बेहतर तरीके से पहुंच बनाई जा सके।

स्थायित्व के पहलों को सबसे अच्छे तरीके से समझने के लिए, सहगल फाउंडेशन द्वारा गांवों में शुरू की गई विकास परियोजनाओं के संबंध में स्थायित्व को परिभाषित करना महत्वपूर्ण है: "स्थायित्व" विकास परियोजनाओं के संबंध में किसी समुदाय की क्षमता निर्माण और स्वामित्व लेने की एक गतिशील और निरंतर प्रक्रिया है, ताकि समुदाय कई वर्षों तक परियोजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके। समुदाय अपने स्वयं के संसाधनों के साथ परियोजनाओं को आगे बढ़ाता है या ऐसा करने के लिए सरकार से धन का लाभ उठाता है। स्थायित्व के तीन आयामों पर्यावरण, आर्थिक और सामाजिक में से एक स्थायित्व का सामाजिक आयाम इस प्रशिक्षण मैनुअल का प्रमुख विषय है। परियोजना डिजाइनिंग चरण में स्थायित्व के पर्यावरण और आर्थिक आयामों पर पर्याप्त विचार किया जाता है, इसलिए इन आयामों पर यहां चर्चा नहीं की गई है।

स्थायित्व एक बार में होने वाला कार्य नहीं है, बल्कि यह सामुदायिक स्तर पर संस्थागत निर्माण और क्षमता निर्माण की एक गतिशील और निरंतर प्रक्रिया है, जिसे परियोजना क्षेत्र में दो–तीन साल तक करने की आवश्यकता है। इसमें संस्था निर्माण, परियोजना में परिकल्पित परिवर्तन की नियोजित प्रक्रिया पर संस्थानों का क्षमता निर्माण; ग्रामीणों के साथ परियोजना के पहलों को लागू करना; ग्रामीणों द्वारा परियोजना का सहभागी मूल्यांकन; ग्राम पंचायत, वार्ड सभा तथा कृषि में लैंगिक समानता को मुख्यधारा में लाना; और ग्राम पंचायतों, कृषि विज्ञान केंद्रों एवं सरकारी विभागों के साथ तालमेल स्थापित करना शामिल हैं।

स्थायित्व की प्रक्रिया

स्थायित्व के वी.सी.सी.एस. मॉडल में शामिल हैं:

- वीः ग्राम विकास समिति (किसानों का समूह, महिला समूह, जल प्रबंधन समिति, टैंक उपयोगकर्ता समूह या गांव में गठित कोई समुदाय आधारित संस्था जहां कोई परियोजना लागू की जा रही है)
- सीः ग्राम विकास समिति का क्षमता विकास
- सीः स्थानीय संस्थाओं, ग्राम पंचायत और सरकारी विभागों के साथ तालमेल
- एसः मुख्य परिसंपत्तियों के लिए सतत प्रयास और विकास हस्तक्षेपों को अपनाना

यह मॉडल टीम के सदस्यों को स्थायित्व की प्रक्रिया को समझने और अपने परियोजना क्षेत्रों में इसे लागू करने में मदद कर सकता है। जैसा कि ऊपर परिभाषित किया गया है, स्थायित्व के समग्र उद्देश्य के संदर्भ में परियोजना टीम द्वारा वी.सी.सी.एस. मॉडल को अनुकूलित या परिवर्तित किया जा सकता है।

वी.सी.सी.एस. मॉडल के घटक

1. ग्राम विकास समिति (वीडीसी) का गठनः ग्राम विकास समिति (किसानों का समूह, महिला समूह, जल प्रबंधन समिति, टैंक उपयोगकर्ता समूह या कोई भी समुदाय आधारित संस्था जिसे परियोजना कार्यान्वित गांव में गठित किया गया हो) के लिए समुदायों से बीस से पच्चीस सदस्यों का चयन किया जाता है। वीडीसी का नामकरण परियोजना की आवश्यकताओं के अनुसार बदल सकता है; इसका उद्देश्य मुख्य परियोजना गांव में एक समुदाय आधारित संस्था के साथ काम करना

है। वीडीसी में समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से महिलाओं एवं वंचित वर्गों तथा ग्राम पंचायतों और स्कूल प्रबंधन समितियों जैसे ग्राम संस्थानों के निर्वाचित प्रतिनिधियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाना चाहिए। समय दे सकने वाले सामुदायिक नेता, गांव के विकास की इच्छाशक्ति रखते वाले और भरोसेमंद लोगों को वीडीसी में उपस्थिति मिलनी चाहिए। गांव में परिवर्तन को प्रभावित करने के लिए वीडीसी के पास एक महत्वपूर्ण जनसमूह होना चाहिए।

2. वीडीसी का क्षमता विकासः क्षमता निर्माण में विकास और स्वामित्व, परियोजना के लाभ, सृजित बुनियादी ढांचे के रखरखाव, परियोजना के घटकों, स्थानीय संस्थानों में लिंग मुख्य धारा तथा विकास पहल और विकास पहल में भागीदारी मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वीडीसी गांव में परियोजनाओं के लिए सहायता समूह होगा, जिसकी लाभार्थियों के चयन, बुनियादी ढांचे के निर्माण के स्थानों को चुनने, सरकारी विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने और स्थानीय संस्थानों तथा सरकारी विभागों के साथ संबंध बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। वीडीसी परियोजना अवधि के दौरान और बाद में किसी परियोजना का मुख्य कर्ताधर्ता होता है।

3. स्थानीय संस्थाओं, ग्राम पंचायतों और सरकारी विभागों के साथ तालमेलः वीडीसी को स्थानीय संस्थाओं, ग्राम पंचायतों और सरकारी विभागों के सहयोग से काम करना चाहिए, ताकि गांव में विकास की पहल के लिए समर्थन जुटाया जा सके। वीडीसी को हितधारकों को पर्यावरण दिवस, सभी बच्चों को शिक्षित करने, ई–संसाधन केंद्र या आंगनवाड़ी केंद्र के नवीनीकरण और बेटी बचाओ जैसे विशेष आयोजनों के लिए आमंत्रित करना चाहिए। वीडीसी को हितधारकों के साथ जुड़ने के तरीके खोजने के लिए पर्याप्त सृजनात्मक होना चाहिए, ताकि दीर्घकालिक संबंध बनाए जा सकें। इससे वीडीसी को गांव में अपनी विकास जरूरतों को प्राथमिकता देने और इसके कार्यान्वयन के लिए धन प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

4. परियोजनाओं की स्थिरताः परियोजना के पूरा होने के बाद भी समुदाय को परियोजनाओं का लाभ मिलता रहता है, समुदाय उनका मालिक होता है और परियोजना में बनाए गए बुनियादी ढांचे को कायम रखने के लिए संसाधनों को जमा करता है। वीडीसी के सहयोग से ग्राम पंचायत समुदायों के क्षमता विकास के लिए सरकारी विभागों से संबंधित व्यक्तियों को आमंत्रित करती है। समुदाय अपने स्वयं के धन से परियोजना की अच्छी सफल पद्धतियों को दोहराते हैं।

स्थायितव की चुनौतियां

वी.सी.सी.एस. मॉडल को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि कहीं कहीं क्षमता विकास, सामुदायिक जागरूकता और विश्वास निर्माण में तीन से पांच साल लगते हैं। इसके अलावा, स्थानीय संस्थानों और सरकारी विभागों के साथ तालमेल आसान काम नहीं है, इसके लिए वीडीसी और पंचायत को पर्याप्त समय, ऊर्जा और धैर्य की आवश्यकता होती है।

ग्राम पंचायत जैसी निर्वाचित संस्था द्वारा वीडीसी के बढ़ते महत्व की सराहना शायद नहीं की जा सकती है, लेकिन यह स्पष्ट होना चाहिए कि वीडीसी का गठन निर्वाचित संस्था को चुनौती देने के लिए नहीं किया जाता है, बल्कि एक सहायता समूह के रूप में किया जाता है जो योजना बनाने के लिए जागरूक और तकनीकी रूप से सुसज्जित है और जिससे ग्रामीणों का समर्थन जुटाया जा सकता है। इसलिए वीडीसी को ग्राम पंचायत के सहयोग से काम करना चाहिए, वास्तव में ग्राम पंचायत को प्रमुख भूमिका देनी चाहिए, तभी गांव में समग्र बदलाव संभव है।

चुनौतियां इस बात को रेखांकित करती हैं कि परियोजनाओं की निरंतरता आसान काम नहीं है और यह अपने आप तब तक नहीं चल सकता है, जब तक कि समुदाय के नेताओं का एक अच्छा समूह बनाने और ग्राम पंचायत में इसे आगे बढ़ाने के प्रयास नहीं किए जाते हैं।

स्थायित्व पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

वार्ड स्तरीय बैठक
मुजफ्फरपुर, बिहार
भारत

स्थायित्व पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

एकीकृत ग्राम विकास, कृषि विकास और जल प्रबंधन पर केंद्रित सभी परियोजनाओं के लिए बारह महीने की अवधि में बारह प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाने हैं। सत्रों की अवधि को को परियोजनाओं की आवश्यकताओं और मांगों के अनुसार कम–ज्यादा किया जा सकता है। परियोजना नतीजों के दबाव की वजह से यदि प्रशिक्षण सत्र आयोजित नहीं किए जाते हैं, तो किसी परियोजना के लीन सीज़न में एक महीने में दो सत्र आयोजित किए जा सकते हैं।

बारह सत्रों में से छह सत्र परियोजना सत्र हैं। ये छह सत्र एकीकृत ग्राम विकास (आईवीडी) कृषि और जल परियोजनाओं के विषयों पर आधारित हैं, और परियोजना टीम परियोजना की आवश्यकताओं के अनुसार सत्रों को डिजाइन कर सकती है।

अन्य 6 सत्रों का विषय स्थायित्व है, जिसमें एक–दूसरे को जानने, गांव की जरूरतों का आकलन करने, ग्राम पंचायत तथा कृषि में महिलाओं को मुख्यधारा में लाने, विकास पहलों का सहभागी मूल्यांकन, सरकारी विभागों एवं ग्राम पंचायतों के साथ तालमेल और वार्ड सभा में विकास योजना पर भी ध्यान दिया जाता है।

स्थायित्व के छह सत्रों के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार की गई है ताकि परियोजना टीम ग्राम विकास समिति/किसान फील्ड स्कूल/जल प्रबंधन समिति/समुदाय–आधारित संस्थानों आदि का प्रशिक्षण स्वयं आयोजित कर सकें।

सत्र	स्थायित्व सत्रों के विषय
1	एक दूसरे को जानना, और गांव में विकास की जरूरतों का आकलन
2	आत्मविश्वास बढ़ाना और सार्वजनिक रूप से बोलना
3	ग्राम पंचायत, वार्ड सभा और विकास पहल में लिंग को मुख्यधारा में लाना
4	विकास पहलों का सहभागी मूल्यांकन
5	ग्राम पंचायतों की भूमिका और ग्राम पंचायतों, कृषि विज्ञान केंद्रों और सरकारी विभागों के साथ तालमेल
6	ग्राम पंचायत के वार्डों में विकास योजना

वीडीसी में व्यक्ति की यात्रा

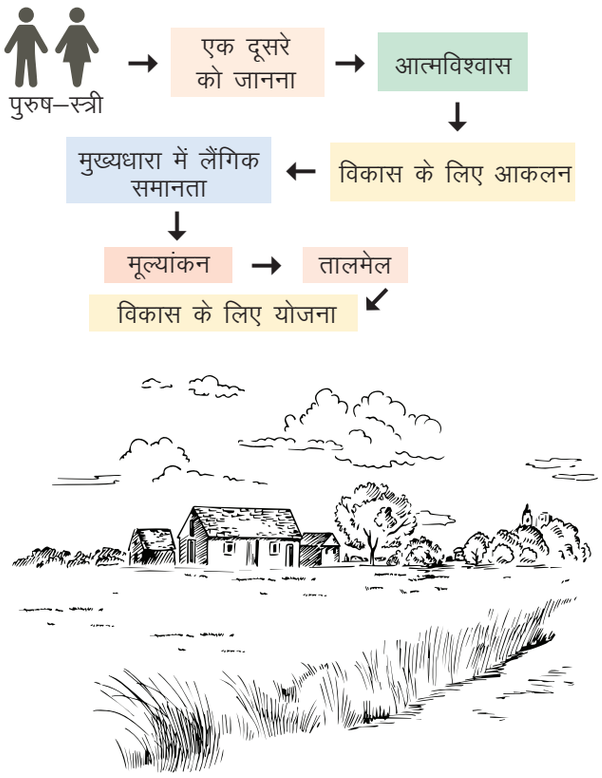

सत्र में निम्न क्रम का अनुसरण किया जाता है : स्वयं, एक–दूसरे को जानें, विकास की जरूरतें, मूल्यांकन, तालमेल और वार्ड–स्तरीय योजना। वीडीसी में व्यक्ति एक वर्ष की अवधि में अनुक्रम प्रक्रिया के माध्यम से आगे बढ़ते हैं और ग्राम विकास में सक्रिय भागीदार बनते हैं। जो ग्रामीण पहले एक–दूसरे को नहीं जानते थे और ग्राम पंचायत तथा सरकारी विभागों से बात करने का आत्मविश्वास नहीं रखते थे, वे अब ग्राम विकास में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं।

सत्र 1: एक दूसरे को जानना और गांव में विकास की जरूरतों का आकलन

एक दूसरे को जानना और गांव में विकास की जरूरतों का आकलन

तर्क: ग्रामीण भारत में, एक ही इलाके में वर्षों तक एक साथ रहने के बावजूद, ग्रामीण शायद ही कभी अपने गाँव की विकास आवश्यकताओं पर चर्चा करते हैं या विकास प्राथमिकताओं को ग्राम पंचायत के सामने उठाते हैं। नतीजतन, स्थानीय विकास में उनका योगदान न्यूनतम है और उनकी विकास संबंधी जरूरतों पर ध्यान नहीं दिया जाता है। स्थानीय विकास में लोगों की भागीदारी शुरू करने के लिए ग्रामीणों को एक दूसरे को अच्छी तरह से जानना चाहिए और गांव की विकास जरूरतों के आकलन की प्रक्रिया को सीखना चाहिए। विभिन्न वार्डों में रहने वाले ग्रामीण साथियों, विशेष रूप से वंचित वर्गों के लोगों को जानने से उन्हें विकास के उनके दृष्टिकोण को समझने और विकास की जरूरतों को बेहतर ढंग से व्यक्त करने में मदद मिलेगी। एक दूसरे को, विशेष रूप से विभिन्न सामाजिक समूहों से संबंधित ग्रामीणों को जानना एक सतत प्रक्रिया है और समुदायों में बेहतर संबंध बनाने की प्रक्रिया को अपनाने के कई अलग–अलग तरीके हो सकते हैं।

उद्देश्य: एक–दूसरे से परिचित हों और बातचीत के नियमित चैनल खोलें; विकास की जरूरतों की पहचान करना और जरूरतों को पूरा करने के लिए योजना बनाना।

अवलोकन: एक दूसरे को जानने का महत्व; ग्राम विकास के परिप्रेक्ष्य का निर्माण करना और विकास की जरूरतों की पहचान करना; सामूहिक अभिव्यक्ति और ग्राम विकास प्रक्रिया में कार्रवाई के फायदों पर ध्यान केंद्रित करना।

साधन: एक दूसरे को जानने के लिए सामूहिक कार्य और गाँव की विकास आवश्यकताओं पर केंद्रित सामूहिक परिचर्चा करना।

समय: 120 मिनट

अवलोकन

एक दूसरे को जानने का महत्व

- ग्रामीण भारत अभी भी सामाजिक समूहों में विभाजित है और ग्रामीण ज्यादातर अपने स्वयं के सामाजिक समूहों के भीतर बातचीत करते हैं। अन्य सामाजिक समूहों के सदस्यों के साथ उनकी बातचीत अक्सर सीमित होती है।
- महिलाएं और समाज के वंचित वर्ग शायद ही एक दूसरे को जानते हों या दूसरों के साथ बातचीत करते हों। पितृसत्ता और सामाजिक मानदंड अभी भी गांवों में सामुदायिक संपर्क में बाधा हैं।
- अलग–अलग वार्डों में रहने वाले ग्रामीण एक–दूसरे को पहचान सकते हैं, लेकिन एक–दूसरे को उनके नाम से नहीं जानते होंगे। अधिकांश धार्मिक या सामाजिक सभाओं को छोड़कर एक साथ नहीं बैठते हैं और उन्होंने कभी भी गाँव में विकास जरूरतों को पूरा करने के लिए कदम उठाने के बारे में चर्चा नहीं की होगी।
- ग्रामवासियों में सामूहिकता या एक गांव से संबंधित होने या गांव के गौरवशाली निवासी होने की भावना की कमी है, इसलिए विकास और सामूहिक कार्यों से जुड़े मुद्दों की सामूहिक समझ मौजूद नहीं है।

- सत्र प्रतिभागियों को सुनने, समझने, जानने और एक दूसरे से जुड़ने में मदद करने के लिए समूह कार्य के माध्यम से एक दूसरे को जानने के लिए साधन 1 (नीचे) का उपयोग करेगा। यह संवादात्मक अभ्यास प्रतिभागियों को एक दूसरे के साथ एक बंधन बनाने की सुविधा प्रदान करता है, ताकि वे गांव में विकास प्रक्रिया में एक समूह के रूप में अधिक प्रभावी ढंग से जुड़ सकें और अपना योगदान दे सकें।

साधन 1: समूह कार्य– एक दूसरे को जानना

दिशानिर्देश

- प्रतिभागियों का स्वागत है। प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित करें।
- समूह 1 को बाहरी घेरे में बैठने के लिए कहें। समूह 2 आंतरिक घेरे में बैठता है।
- समूह 1 (बाहरी घेरा) और समूह 2 (आंतरिक घेरा) के प्रतिभागी एक–दूसरे के सामने होते हैं।
- समूह 1 का एक प्रतिभागी और समूह 2 का एक प्रतिभागी मिलकर एक जोड़ी बनाते हैं।
- खेल की शुरुआत एक प्रतिभागी द्वारा दूसरे प्रतिभागी को अपना नाम और पिछले दो वर्षों में किसी के जीवन में घटी एक सुखद घटना बताने से होती है।
- दो मिनट के बाद, आंतरिक घेरे के प्रतिभागी अपनी दायीं ओर एक स्थान आगे बढ़ते हैं।
- बाहरी घेरे और आंतरिक घेरे के प्रतिभागी दूसरे प्रतिभागी को अपना नाम और पिछले दो वर्षों में किसी के जीवन में घटी एक सुखद घटना के बारे में बताते हैं।
- जब तक सभी प्रतिभागी आपस में बात नहीं कर लेते तब तक आंतरिक चक्र इसी तरह चलता रहता है।
- फिर समन्वयक/प्रशिक्षक प्रतिभागियों में से किसी भी एक व्यक्ति से नाम और एक सुखद घटना के बारे में से पूछता है।
- इस खेल के माध्यम से प्रतिभागी एक–दूसरे को जानते हैं और समूह में व्यक्तिगत संबंध बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

साधन 2: गांव की विकास जरूरतों (एकीकृत ग्राम विकास, कृषि और पानी) का आकलन

दिशानिर्देश

- अक्सर यह देखा जाता है कि ग्रामीण बाहरी परियोजनाओं की पहल और परियोजना से उन्हें मिलने वाले फायदों को समझते हैं, लेकिन पूरे गांव और समुदाय के लिए परियोजना में योजनाबद्ध परिवर्तन को नहीं देख सकते हैं। इसलिए वे ज्यादातर उन फायदों में रुचि रखते हैं जो उन्हें परियोजना के माध्यम से मिलते हैं और गांव के विकास की योजना नहीं बना सकते हैं।
- ग्रामीणों के बीच गांव में विकास के परिप्रेक्ष्य को विकसित करने के लिए, उन्हें गांव में विकास की जरूरतों के आकलन के सामूहिक कार्य में शामिल करना महत्वपूर्ण है। सामूहिक कार्य के माध्यम से वह समस्याओं, जरूरतों और समाधानों के ढांचे के माध्यम से ग्राम विकास की प्रक्रिया को समझ सकेंगे, जिससे उन्हें गांव के लिए विकास योजना बनाने में मदद मिलेगी। इससे वह गांव की जरूरतों को पूरा करने और समुदाय तथा ग्राम पंचायत के साथ मिलकर समाधान की योजना बनाने में भी सक्षम होंगे।
- निम्नलिखित भागीदारी सत्र परियोजना की विकास आवश्यकताओं की पहचान करने में मदद करेगा, ताकि गांव के लोग समस्याओं और जरूरतों को समझ सकें और समाधान के बारे में सामूहिक रूप से सोच सकें।
- ग्रामीणों को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा, और प्रत्येक समूह को सूचना ग्राफिक्स में निम्नलिखित चार विषयों में से किसी एक की जरूरतों की पहचान करने का कार्य दिया जाएगा।

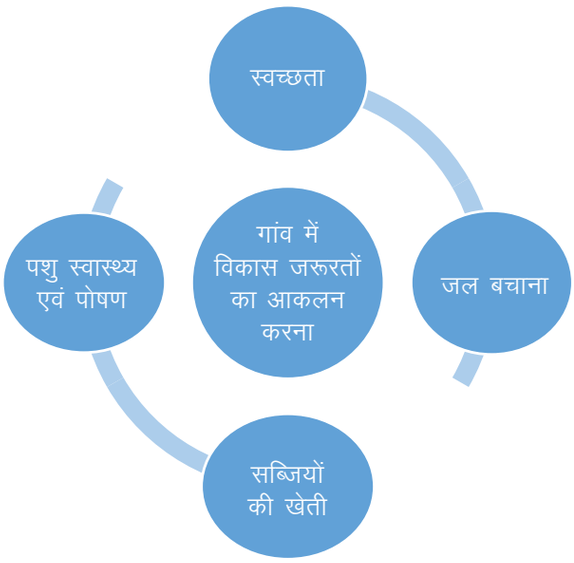

- प्रत्येक समूह को गांव में प्रत्येक विषय की मुख्य समस्याओं की पहचान करने, उससे संबंधित जरूरतों का उल्लेख करने और जरूरतों को पूरा करने के समाधान पर चर्चा करने का कार्य दिया जाता है।
- उदाहरण के लिए, "खराब स्वच्छता" के विषय के साथ समूह 1 इससे संबंधित समस्याओं की पहचान कर सकता है। गांव में खराब स्वच्छता पर चर्चा से ग्रामीणों को इसके कारण, पैमाने और कठिनाइयों के बारे में जागरूक किया जा सकता है और इससे वे यह जान पायेंगे कि इस मुद्दे से निपटने के लिए समुदाय और ग्राम पंचायत द्वारा क्या किया जा सकता है।

समस्या विश्लेषण	जरूरतें	समाधान	प्रतिक्रिया
खराब स्वच्छता (कारण, पैमाना, परेशानियां)	बेहतर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन बेहतर तरल अपशिष्ट प्रबंधन	स्वच्छता अभियान समुदाय की जागरूकता जीपी द्वारा निकासी	
कृषि में जल की कमी	जल बचत के बारे में जागरूकता जल बचत में हस्तक्षेप	एनजीओ द्वारा जागरूकता चैक डेम, तालाब	
कृषि की खराब उपज	आजीविका विकल्पों (कृषि, पशुओं, छोटे व्यवसाय) पर निर्देश	सब्जियों की खेती छोटे व्यवसाय	
पर्याप्त और सुरक्षित पेय जल की अनुपलब्धता	समुदाय या घरेलू स्तर पर सुरक्षित पेय जल की सुविधा	पेय जल पाइपलाइन के लिए फंड स्वास्थ्य केंद्रों से क्लोरीन की गोलियां	

- इसी तरह से अन्य समूह अन्य तीन विषयों पर कार्य कर सकते हैं। समन्वयक प्रत्येक विषय की समस्याओं की पहचान करने के लिए समूहों को निर्देश दे सकता है।

समूहों द्वारा प्रस्तुति

- कार्य पूरा करने के बाद प्रत्येक समूह प्रस्तुति देता है और अन्य समूहों से अपनी प्रस्तुति पर प्रतिक्रिया मांगता है।
- समन्वयक सभी समूहों की प्रस्तुति को समेकित करता है और ग्रामीणों को यह समझने में मदद करता है कि चिन्हित की गई विकास जरूरतें प्रतिभागियों को गांव के लिए विकास योजना बनाने में कैसे सहायता कर सकती हैं। कुछ जरूरतों को परियोजना से पूरा किया जा रहा है और कुछ अन्य जरूरतों को ग्राम पंचायत द्वारा सरकारी विभागों तक ले जाया जा सकता है।
- इस तरह, ग्रामीण गांव में परिवर्तन की प्रक्रिया की योजना बना सकते हैं। यह कार्य गाँव की अन्य विकास आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए इसी तरह के कार्यों की योजना बनाने में भी मदद कर सकता है।

समन्वयक टिप्पणी

- सभी प्रतिभागियों को सामूहिक कार्य में भाग लेने के लिए समान अवसर प्रदान करें।
- महिलाओं और वंचित तबके के लोगों को बोलने और अपनी राय रखने के लिए प्रेरित करें।
- प्रतिभागियों को उदाहरणों के साथ चर्चा करने और/या विशिष्ट समाधान देने के लिए प्रोत्साहित करें।
- समुदाय स्तर पर हल की जा सकने वाली समस्याओं के समाधान के लिए अन्य ग्रामीणों को साथ लाने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित करें।

सत्र 2: आत्मविश्वास बढ़ाना और सार्वजनिक रूप से बोलना

Life Skills and Digital Awareness
Space bar
Type writer Keys
Enter Keys
Computer Keys
Function Keys
System Keys
Dead Keys
Cursor Control Keys
Application Keys

आत्मविश्वास बढ़ाना और सार्वजनिक रूप से बोलना

तर्क: ग्रामीणों, विशेष रूप से महिलाओं और वंचित वर्गों के लोगों को अधिकांशतः सामुदायिक मंचों और सार्वजनिक समारोहों में भागीदारी करने का अवसर नहीं मिलता है, इसलिए उन्हें लोगों के सामने अपनी राय व्यक्त करने में मुश्किल होती है। लैंगिक भेदभाव और पर्याप्त अवसरों की अनुपलब्धता के कारण उनमें ग्रामीणों या सरकारी अधिकारियों या ग्राम पंचायत के सदस्यों की सभा में बात करने का आत्मविश्वास नहीं होता है। आत्मविश्वास और सार्वजनिक रूप से बोलने के लक्षण ग्रामीणों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं और जो उन्हें सफलता दिला सकती है, इसलिए उन्हें इन लक्षणों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

उद्देश्य: ग्रामीणों को आत्मविश्वास और सार्वजनिक रूप से बोलने के लक्षण विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना।

अवलोकन: ग्रामीणों के लिए आत्मविश्वास और सार्वजनिक रूप से बोलने का महत्व, आत्मविश्वास और सार्वजनिक रूप से बोलने में सुधार के लिए सुझाव देना।

साधन: सामूहिक कार्य

समय: 120 मिनट

अवलोकन

- आत्मविश्वास और सार्वजनिक रूप से बोलना किसी सामुदायिक नेतृत्व, खासकर सभी स्तरों पर निर्वाचित प्रतिनिधियों के महत्वपूर्ण लक्षण हैं। एक आत्मविश्वासी व्यक्ति और अच्छा वक्ता अपने विचारों को प्रभावी तरीके से व्यक्त कर सकता है। स्पष्ट अभिव्यक्ति से सरकारी अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के सामने लोगों की मांगों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलता है। एक विश्वासपात्र और आश्वस्त समुदाय का लीडर स्थानीय संस्थाओं के सामुदायिक प्रयासों या पहलों के माध्यम से मुद्दों का समाधान करने के लिए ग्रामीणों को सामूहिक कार्रवाई के लिए प्रेरित कर सकता है।
- हालांकि, समुदाय के लीडर, विशेष रूप से महिलाओं और वंचित वर्गों के लोगों, जिनके पास सार्वजनिक समारोहों या सामुदायिक मंचों पर बोलने का अनुभव नहीं होता है, उनमें इन कौशलों की कमी होती है। लेकिन इस तरह के कौशल को सूचना और अभ्यास से विकसित किया जा सकता है।
- आत्म–विश्वास का अर्थ, उसे विकसित करने के तरीके और आत्म–विश्वास तथा सार्वजनिक रूप से बोलने के बीच के संबंध को समझना महत्वपूर्ण है। "आत्मविश्वास का तात्पर्य है किसी को अपने कौशल और क्षमताओं पर विश्वास होना। इसका मतलब है कि कोई खुद पर भरोसा करता है, अपनी ताकत और कमजोरियों के बारे में जानता है और खुद के बारे में सकारात्मक नजरिया रखता है।" (दक्षिण फ्लोरिडा छात्र मामलों के विश्वविद्यालय, परामर्श केंद्र)।
- आत्मविश्वास व्यक्ति को बातचीत में स्पष्ट रूप से बोलने में सक्षम बनाता है। यह चीजों को करने की क्षमता में आत्म–विश्वास पैदा करता है। आत्मविश्वासी व्यक्ति मुश्किल लोगों और परिस्थितियों से प्रभावी तरीके से निपट सकता है। यह नए विचारों और चीजों को करने के नए तरीकों के साथ प्रयोग करने में भी मदद कर सकता है।
- निरंतर प्रयास, मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मविश्वास को क्रमिक तरीके से विकसित किया जा सकता है। आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए नीचे तीन चरण दिए गए हैं:

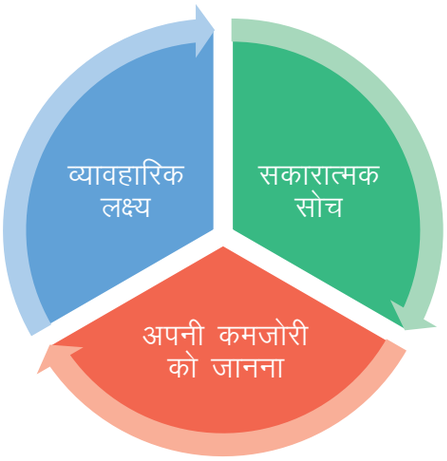

- ✓ सकारात्मक सोच विकसित करना: हम खेल के आंकड़ों और नेताओं से सकारात्मक सोच के महत्व के बारे में सुनते हैं। वे अक्सर कहते हैं कि सकारात्मक रहना उन्हें बड़ी मुश्किलों या असफलताओं से बाहर निकलने में मदद करता है। मन में नकारात्मक विचार नहीं आने देना चाहिए। अपने आप को लगातार याद दिलाएं कि ऐसे विचारों को दूर भगाना है। साथ ही, उन समूहों के संपर्क में रहना महत्वपूर्ण है जो सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

- ✓ अपनी कमजोरियों को पहचानना: अपनी कमजोरियों को पहचानना और घनिष्ठ मित्रों के साथ उन पर चर्चा करने में सक्षम होना महत्वपूर्ण है। समय–समय पर अपनी कमजोरियों को एक–एक करके दूर करने की योजना विकसित करें।

- ✓ व्यावहारिक लक्ष्य निर्धारित करना: यथार्थवादी और व्यावहारिक लक्ष्य विकसित करें और इन लक्ष्यों की उपलब्धि का जश्न करीबी समूहों में मनाया जाना चाहिए। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को बधाई दी जानी चाहिए और उन्हें अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। साथ ही साथ दूसरों की मदद करने की आदत भी विकसित करनी चाहिए, जिससे न सिर्फ उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा बल्कि उनके लिए एक सपोर्ट बेस भी तैयार होगा।

- सार्वजनिक रूप से बोलना और आत्मविश्वास एक दूसरे से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। आत्मविश्वासी व्यक्ति बिना किसी डर के अपनी बात खुलकर कह सकता है। किसी समुदाय का लीडर जो अच्छा बोल सकता है वह लोगों को गांव के मुद्दों से निपटने के लिए प्रेरित भी कर सकता है।

- हर किसी के पास सार्वजनिक रूप से बोलने की कला नहीं होती है, हालांकि यह एक ऐसा कौशल है जिसे प्रयास और अभ्यास से विकसित किया जा सकता है। लोग इस कौशल को विकसित करने के लिए निम्नलिखित सुझाव पर अमल कर सकते हैं:

  - ✓ दिल से बोलें: किसी खास विषय पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करें, दिन–प्रतिदिन के अनुभवों को बताएं। सामुदायिक लीडर को धार्मिक गुरुओं की तरह प्रचार नहीं करना चाहिए, बड़े नारे नहीं लगाने चाहिए या लोगों से प्रतिबद्धता के बड़े वादे नहीं करने चाहिए। अपने अनुभव को साझा करने के लिए उत्साहित होना चाहिए। धीमे स्वर में बोलना लोगों को आकर्षित नहीं कर सकता है।

  - ✓ सार्वजनिक रूप से बोलने के डर को दूर करने की योजना बनाएं: जब कोई पहली बार कुछ कर रहा हो तो डर लगना स्वाभाविक है। जब कोई गाड़ी चलाना सीख रहा होता है, तो उसे डर लगता है; जब कोई परीक्षा दे रहा होता है, तो उसे डर लगता है। डर काफी सामान्य चीज है। सार्वजनिक रूप से बोलने के डर को अभ्यास, अभ्यास और केवल अभ्यास से कम किया जा सकता है। कोई भी व्यक्ति अपने रिश्तेदारों या दोस्तों के सामने अभ्यास कर सकता है और विषय, बोलने की गति, भावनात्मक अपील और छूटे हुए बिंदुओं पर प्रतिक्रिया मांग सकता है।

  - ✓ सार्वजनिक रूप से बोलने की तैयारी करें: किसी को भाषण देने के लिए कभी भी बिना तैयारी के नहीं जाना चाहिए। भाषण के विषय के बारे में जानकारी जुटायें। इसे दिल से याद या रटकर सीखने की जरूरत नहीं है। बिंदुओं को याद रखना और उन्हें दिन–प्रतिदिन के अनुभवों से जोड़ना बेहतर है।

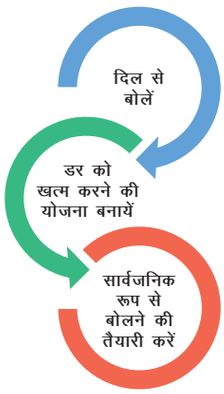

साधन 1: आत्म–विश्वास विकसित करने के लिए अभ्यास, समयः 45 मिनट

दिशानिर्देश

सभी प्रतिभागियों को जोड़ियों में बांटा गया है। प्रत्येक प्रतिभागी को उनके मन में नियमित रूप से आने वाले दो भय या नकारात्मक विचारों की पहचान करनी चाहिए (बॉक्स 1)। इसे कागज के टुकड़े (चिट) पर लिख लें। इन्हें अपने पार्टनर के साथ शेयर करें। साथ ही अपने भयानक अनुभव और जब से वे इसका अनुभव कर रहे हैं, यह भी उनके साथ साझा करें। समन्वयक फिर मिट्टी का घड़ा लाता है और मिट्टी के बर्तन में अखबार जलाता है। प्रत्येक प्रतिभागी आगे आकर अपनी–अपनी चिट को आग में फेंक देता है, वे यह भी वादा करते हैं कि वे अपने जीवन में डर या नकारात्मक विचारों को फिर से आने नहीं देंगे। समन्वयक प्रतिभागियों को समझाते हैं कि उन्हें हमेशा नकारात्मक विचारों तथा आशंकाओं से दूर जाने की कोशिश करनी चाहिए और उन्हें सकारात्मक विचारों से बदलना चाहिए।

बॉक्स 1

अपने भीतर भय/नकारात्मक विचारों की पहचान करना

– मंच भय

– पढ़े–लिखे लोगों के सामने बोलने से डरना

– जल्दी से धैर्य खोना

– अन्य ग्रामीणों पर चिल्लाना

भय को जलाना

साधन 1: आत्म–विश्वास विकसित करने के लिए अभ्यास, समयः 45 मिनट

दिशानिर्देश

सभी प्रतिभागियों को जोड़ियों में बांटा गया है। प्रत्येक प्रतिभागी को उनके मन में नियमित रूप से आने वाले दो भय या नकारात्मक विचारों की पहचान करनी चाहिए (बॉक्स 1)। इसे कागज के टुकड़े (चिट) पर लिख लें। इन्हें अपने पार्टनर के साथ शेयर करें। साथ ही अपने भयानक अनुभव और जब से वे इसका अनुभव कर रहे हैं, यह भी उनके साथ साझा करें। समन्वयक फिर मिट्टी का घड़ा लाता है और मिट्टी के बर्तन में अखबार जलाता है। प्रत्येक प्रतिभागी आगे आकर अपनी–अपनी चिट को आग में फेंक देता है, वे यह भी वादा करते हैं कि वे अपने जीवन में डर या नकारात्मक विचारों को फिर से आने नहीं देंगे। समन्वयक प्रतिभागियों को समझाते हैं कि उन्हें हमेशा नकारात्मक विचारों तथा आशंकाओं से दूर जाने की कोशिश करनी चाहिए और उन्हें सकारात्मक विचारों से बदलना चाहिए।

बॉक्स 2

सार्वजनिक रूप से बोलने के विषय

– बालिकाओं की शिक्षा

– गांव में पानी की स्थिति

– गांव में अच्छी स्वच्छता प्रथाएं

– पुरुषों में शराबबंदी

– आपके सपनों का गांव

सफलता की कहानी

कामिनी देवी, जिला मुजफ्फरपुर, बिहार से बताती हैं कि उन्होंने अपने जीवन में कभी भी किसी ग्राम सभा या जनसभा में भाग नहीं लिया था, और उनमें कभी भी तीन या चार लोगों के सामने बोलने का आत्मविश्वास नहीं था। कामिनी कहती हैं, "सहगल फाउंडेशन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद, मैंने ग्राम सभा की बैठकों में भाग लेना शुरू किया और मुझमें बैठक में महिलाओं से संबंधित कुछ मुद्दों को उठाने का विश्वास आ गया। मैं प्रशिक्षण के माध्यम से कई चीजों के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के बाद सशक्त महसूस करती हूं।"

समन्वयक टिप्पणी

समन्वयक और अधिक विषय जोड़ सकता है या प्रतिभागियों को साधन 2 में विषय चुनने के लिए भी कह सकता है। यदि प्रतिभागियों के पास समय हो तो अभ्यास को हर महीने दोहराया जा सकता है। धीरे–धीरे कुछ प्रतिभागियों में सार्वजनिक रूप से बोलने का आत्मविश्वास विकसित होने लगेगा, फिर उन्हें गांवों की समस्याओं तथा उनके समाधान पर विचार व्यक्त करने के लिए कहा जा सकता है और उनके गांव के विकास के बारे में उनकी सोच को सबके सामने रखने के लिए कहा जा सकता है।

सत्र 3: ग्राम पंचायत, वार्ड सभा और विकास पहल में लिंग को मुख्यधारा में लाना

ग्राम पंचायत, वार्ड सभा और विकास पहल में लिंग को मुख्यधारा में लाना

तर्क: लैंगिक असमानता मुख्य मुद्दा है जो ग्रामीण जीवन के विभिन्न पहलुओं में पुरुषों, महिलाओं और लिंग–विविध लोगों की भागीदारी को रोकता है। महिलाओं और लिंग–विविध लोगों को ग्राम पंचायत, ग्राम सभा एवं ग्राम पंचायत और गैर सरकारी संगठनों द्वारा शुरू की गई विकास पहल जैसे ग्राम स्तर के संस्थानों में भाग लेने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। उनके पास अक्सर क्षमता की कमी होती है क्योंकि उनके पास शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रदर्शन करने का अवसर नहीं होता है। उनके पास क्षमता होने पर भी सांस्कृतिक और सामाजिक मानदंडों की वजह से उन्हें मौका नहीं दी जाती है। गाँव में लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए, स्थानीय संस्थाओं के भीतर लिंग को मुख्यधारा में लाने और गाँव में विकास पहलों पर चर्चा करने की आवश्यकता है।

उद्देश्य: गांव में लैंगिक असमानता के मुद्दों की पहचान करें, चर्चा करें और योजना बनाएं कि इन्हें लैंगिंक मुख्यधारा के माध्यम से कैसे हल किया जा सकता है।

अवलोकन: लिंग, लैंगिक असमानता, गांवों में लैंगिक असमानता, मुख्य धारा में लैंगिक समानता, लैंगिक मुख्यधारा के माध्यम से योजनाबद्ध परिवर्तन

साधन: मुख्य धारा में लैंगिंक समानता कार्य पर केंद्रित सामूहिक परिचर्चा

समय: 120 मिनट

अवलोकन

मुख्य धारा में लैंगिक समानता

- लिंग को महिलाओं और पुरुषों, लड़कियों और लड़कों की विशेषताओं के रूप में परिभाषित किया गया है, जो सामाजिक रूप से निर्मित हैं। इसमें किसी विशेष समाज में महिला, पुरुष, लड़की या लड़का होने से जुड़े मानदंड, व्यवहार और भूमिकाएं शामिल हैं। इसमें पुरुषों और महिलाओं के आपस में संबंध भी शामिल हैं।

- समाज द्वारा निर्मित लैंगिक भूमिकाओं में शामिल हैं: महिलाएं घर का काम करती हैं, पुरुष काम पर बाहर जाते हैं, बेटे माता–पिता की देखभाल करते हैं, बेटियों की शादी होनी चाहिए और उन्हें शिक्षित होने की आवश्यकता नहीं है। पुरुष प्रदाता और संरक्षक हैं, महिलाएं देखभाल करने वाली और घरेलू कामकाज करने वाली हैं; पुरुष मजबूत और साहसी होते हैं, महिलाएं कोमल और सरल होती हैं। इन भूमिकाओं को समाजों में विकसित किया गया है, और वह पुरुषों और महिलाओं के साथ असमान व्यवहार करते हैं। यह महिलाओं की शिक्षा, बाहर जाने तथा कमाने के अवसरों और जीवन के अन्य खुशियों को प्रभावित करता है।

- यह भूमिकाएं पुरुषों और महिलाओं के बीच संबंधों को आकार देने में महत्वपूर्ण हैं। महिलाएं खाना नहीं बनातीं तो पुरुषों को गुस्सा आता है। पुरुष कमजोर या रोते हुए नहीं दिख सकते क्योंकि पत्नियों को शर्म आती है कि उनका पति कमजोर है। यह सब वैवाहिक संबंधों को प्रभावित करता है।

- किसी समाज में लैंगिक मानदंडों को कई स्थानीय संस्थाओं में लैंगिक रूप से पिछड़े लोगों को मुख्य धारा में लाकर और गांव में विकास पहलों के माध्यम से चुनौती दी जा सकती है।

- मुख्य धारा में लैंगिक समानता पुरुषों, महिलाओं और लैंगिक विविध लोगों की चिंताओं, अनुभवों, प्राथमिकताओं, क्षमताओं और योगदान को कार्यक्रमों और नीतियों का एक अभिन्न अंग बनाने की रणनीति है।
- किसी गांव के संदर्भ में, इसका मतलब है कि पुरुषों, महिलाओं और लैंगिक–विविधता वाले लोगों को विकास की पहल जैसे कि सड़कों एवं नालों का निर्माण और ग्राम पंचायत, ग्राम सभा तथा स्कूल प्रबंधन समिति जैसी संस्थाओं का निर्माण का हिस्सा बनने का समान अवसर मिलता है। उन्हें संस्थानों के कामकाज, आजीविका गतिविधियों, विकास पहल और निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर मिलता है।
- समुदायों को ग्राम पंचायत में लैंगिक समानता के मुद्दों की पहचान करने और उन्हें व्यवस्थित रूप से हल करने के लिए स्पष्ट कार्यों पर चर्चा करने और सोचने में सक्षम बनाया जा सकता है।
- यह लैंगिक समानता, महिला विकास और सशक्तिकरण के महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान देता है तथा धन उपार्जन करता है और इसके परिणामस्वरूप ग्राम पंचायत विकास प्राथमिकताओं जैसे कि शिक्षा, स्वच्छता और पीने का पानी, जिसकी पहचान महिलाओं द्वारा की जाती है, के लिए अधिक धन दे सकती है। ग्राम पंचायत को समय पर बैठक बुलाने के लिए प्रभावित किया जा सकता है जो महिलाओं के अनुकूल हो और उन्हें भाग लेने के अवसर प्रदान करे।
- इसका लक्ष्य है ग्राम पंचायत स्तर पर सभी संस्थाओं और विकास पहलों में सभी लिंग के लोगों को मुख्य धारा का अभिन्न अंग बनाया जाए, ताकि पुरुषों, महिलाओं और लैंगिक–विविधता वाले लोगों को समान लाभ मिल सके।

चित्र 1: मुख्यधारा में लैंगिक समानता

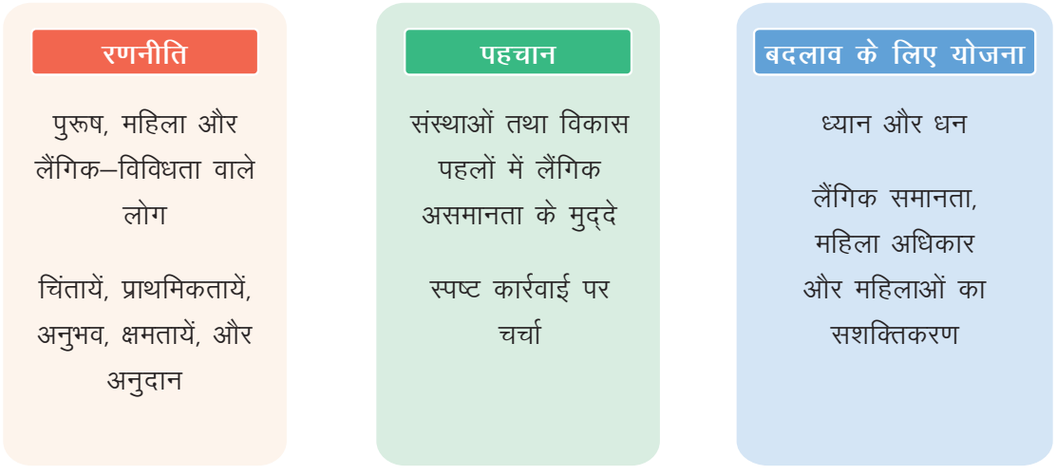

साधन 1: ग्राम पंचायत के सामने मांगों को रखने में मुख्यधारा में लैंगिक समानता की जाँच

दिशानिर्देश

- समन्वयक सहभागियों के सामने चटाई पर सफेद और पीले रंग के तारे रखता है। सफेद तारे पुरुषों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और पीले तारे महिलाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- समन्वयक प्रतिभागियों को चार स्तरों वाले त्रिभुज की व्याख्या करता है। त्रिकोण और चार स्तरों में तारों के स्थान के माध्यम से ग्राम पंचायत में ग्रामीणों के प्रतिनिधित्व के स्तर का अनुमान लगाया जा सकता है।
- स्तर 1 बताता है कि पुरुषों और महिलाओं ने कभी भी अपनी मांगों या ग्रामीणों की मांगों को व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से ग्राम पंचायत में नहीं उठाया है। यदि

पुरुष या महिला अपनी मांगों को ग्राम पंचायत तक नहीं ले गए हैं, तो वे इस स्तर पर अपना तारा चिपकाते हैं।

- स्तर 2 बताता है कि पुरुषों और महिलाओं ने एक से तीन महीने में अपनी मांगों या ग्रामीणों की मांगों को व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से ग्राम पंचायत में उठाया है। यदि पुरुष या महिला किसी मांग को ग्राम पंचायत में ले गए हैं, तो वे इस स्तर पर अपना तारा चिपकाते हैं।
- स्तर 3 बताता है कि पुरुषों और महिलाओं ने चार से छह महीने में व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से ग्राम पंचायत में अपनी मांगों या ग्रामीणों की मांगों को रखा है। यदि पुरुष या महिला किसी मांग को ग्राम पंचायत में ले गए हैं, तो वे इस स्तर पर अपना तारा चिपकाते हैं।
- स्तर 4 से पता चलता है कि 7 से 12 महीनों में पुरुषों और महिलाओं ने ग्राम पंचायत में व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से अपनी मांगों या ग्रामीण मांगों को उठाया है या नहीं। यदि पुरुष या महिला किसी मांग को ग्राम पंचायत में ले गए हैं, तो वे इस स्तर पर अपना तारा चिपकाते हैं।
- फिर समन्वयक प्रत्येक स्तर पर सफेद तारों और पीले तारों की संख्या की गणना करता है और प्रत्येक स्तर पर कुल संख्या लिखता है।

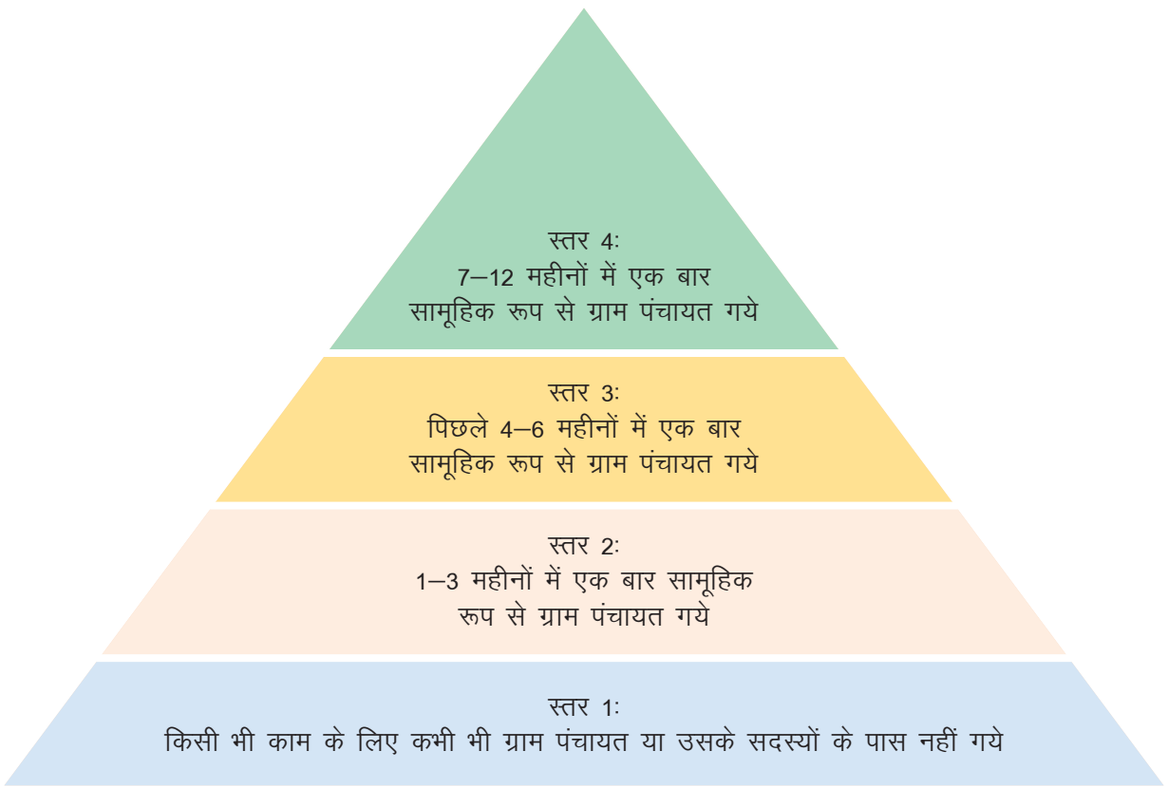

साधन 1: ग्राम पंचायत के सामने मांगों को रखने को लेकर मुख्यधारा में लैंगिक समानता की जाँच करना

सामूहिक अभ्यास के बाद महत्वपूर्ण प्रश्न

इसके बाद समन्वयक प्रतिभागियों के साथ निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करता है।

- प्रत्येक स्तर पर पीले तारों (महिलाओं) की संख्या कम क्यों होती है?
- किसी एक स्तर पर तारे क्यों नहीं होते?
- कुछ स्तरों पर सफेद तारों (पुरूषों) की संख्या अधिक क्यों होती है?
- सभी स्तरों पर तारों की संख्या बढ़ाने के लिए क्या किया जा सकता है?

- वो कौन सी चीज है जो महिलाओं और पुरुषों को ग्राम पंचायत में अपनी मांगों को रखने से रोकती है?
- ग्राम पंचायत में महिलाओं द्वारा अपनी मांगों को रखने की संख्या को बढ़ाने के लिए प्रतिभागियों के परामर्श से चार कार्य बिंदु लिखिए।

साधन 2: कृषि (कृषि, सब्जियों की खेती, किसी भी अन्य कार्यों का पैकेज) और जल गतिविधियों में मुख्यधारा में लैंगिक समानता की जांच करना

दिशानिर्देश

- समन्वयक प्रतिभागियों को समझाता है कि वे कृषि और जल के विभिन्न परियोजना हस्तक्षेपों में पुरुषों और महिलाओं की भागीदारी की जाँच करने जा रहे हैं। यहां हमने सामूहिक अभ्यास के लिए कार्य के हस्तक्षेप के पैकेज का चयन किया है।
- कार्य के हस्तक्षेप के पैकेज में सात गतिविधियों को चुना गया है:
  - ✓ किसानों का चयन
  - ✓ कृषि प्रशिक्षण में भागीदारी
  - ✓ खेत पर काम वाले दिनों में भागीदारी
  - ✓ फसलों पर खाद डालने को लेकर निर्णय
  - ✓ फसलों पर खाद का प्रयोग
  - ✓ जल हस्तक्षेप (तालाब, पेयजल) योजना के लिए सामुदायिक बैठक
  - ✓ जल संरचनाओं या पेयजल पाइपलाइनों के संचालन और रखरखाव के बारे में निर्णय लेना
- इन सभी गतिविधियों को एक चार्ट पेपर पर लिखा जाता है और प्रशिक्षण कक्ष के बीचों–बीच टेबल पर या जमीन पर रखा जाता है।
- प्रत्येक गतिविधि के सामने दो पंक्तियाँ (एक पुरुष के लिए और दूसरी महिला के लिए) खींची जाती हैं।
- प्रत्येक प्रतिभागी को एक स्केच पेन दिया जाता है और यदि वह गतिविधि में भाग लेते हैं तो उन्हें प्रत्येक गतिविधि के सामने एक टिक लगाना चाहिए।
- पुरुष प्रतिभागियों को पुरुष पंक्ति के सामने निशान लगाना चाहिए।
- महिला प्रतिभागियों को महिला पंक्ति के सामने निशान लगाना चाहिए।
- फिर समन्वयक पंक्तियों में टिकों की संख्या गिनता है और उसे लिखता है।

सामूहिक अभ्यास के बाद महत्वपूर्ण प्रश्न

समन्वयक प्रतिभागियों के साथ निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करता है।

- कुछ गतिविधियों की महिला पंक्ति में टिकों की संख्या कम क्यों होती है?
- कुछ गतिविधियों की पुरूष पंक्ति में टिकों की संख्या अधिक क्यों होती है?
- वो कौन सी चीजें हैं जो परियोजना गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी को रोकता है?
- कुछ गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए क्या किया जा सकता है?
- वो कौन से तरीके हैं जिससे पुरूष परियोजना क्रियाकलापों में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए महिलाओं का समर्थन करे?
- परियोजना गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रतिभागियों के परामर्श से चार कार्य बिंदु लिखिए?

समन्वयक की टिप्पणी

- ग्राम पंचायत में लैंगिक असमानता पैदा करने वाले मुख्य कारकों में सामाजिक/सांस्कृतिक मानदंड, महिलाओं के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार में भागीदारी के अवसरों में कमी हो सकते हैं।
- लैंगिक असमानता के मुद्दों को पुरुषों और महिलाओं के परामर्श से प्रत्येक गतिविधि के लिए व्यवस्थित रूप से कार्य बिंदुओं को डिजाइन करके हल किया जा सकता है।
- प्रत्येक गतिविधि जैसे कि ग्राम सभा, ग्राम पंचायत में भागीदारी और परिवार के पुरुष सदस्यों के समर्थन से परियोजना गतिविधियाँ में परिवर्तन की धीमी प्रक्रिया शुरू हो सकती है।
- महिलाओं के लिए पर्याप्त जमीन–स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जाना चाहिए ताकि वे विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी और निर्णय लेने की ओर बढ़ना शुरू कर सकें।
- मुख्यधारा में लैंगिक परिवर्तन के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करना जरूरी है। यह अपने आप नहीं होगा, इस प्रक्रिया को योजना, निर्देशन और सजग हितधारकों के नेतृत्व में करने की आवश्यकता है।

सत्र 4: विकास पहलों का सहभागी मूल्यांकन

विकास पहलों का सहभागी मूल्यांकन

तर्क: स्थानीय समुदायों, विशेष रूप से महिला समुदाय के सदस्यों की गांव में परियोजना/विकास पहल और प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों के प्रावधानों के बारे में जागरूकता की कमी अक्सर परियोजना कार्यान्वयन को खराब गुणवत्ता वाला बना देती है जैसे कि संपत्तियां (तालाबों का निर्माण और पीने के पानी के लिए पाइप बिछाना) और अप्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण। परियोजनाओं के उद्देश्यों तथा संचालन और समुदायों के अधिकारों के बारे में जानने के लिए समुदाय के लीडर के साथ नियमित रूप से जुड़ना मतत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उनमें गांव के विकास में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करने और सार्वजनिक सेवाओं के बेहतर कार्यान्वयन की क्षमता होती है। सत्र को परियोजनाओं के उद्देश्यों और संचालन, सरकारी कार्यक्रमों के मुख्य प्रावधानों, वर्तमान स्थिति और मौजूदा अंतराल के बारे में जागरूक रहने के महत्व को स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि समुदाय के लीडर विकास में सबसे आगे रहें।

उद्देश्य: समुदाय के लीडर को विकास पहल और प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों के मूल्यांकन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।

अवलोकन: विकास पहलों और प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों के मूल्यांकन में स्थानीय भागीदारी का महत्व

साधन: विकास पहलों का सहभागी मूल्यांकन

समय: 120 मिनट

अवलोकन

- ग्रामीणों की भलाई के लिए आवश्यक हैं विकास पहलों का प्रभावी कार्यान्वयन और स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, स्वच्छता तथा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा उपायों जैसी बुनियादी सेवाओं का उचित निष्पादन। सुलभ, गुणवत्तापूर्ण सेवाएं गांव के समग्र विकास में योगदान करती हैं और ग्रामीणों के जीवन की गुणवत्ता को बहाल करने में मदद करती हैं। हालांकि, तालाबों, पेयजल, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा लाभों जैसे विकास हस्तक्षेपों का अंतिम स्थान तक क्रियान्वयन अक्सर संतोषजनक नहीं होती है, इस प्रकार समुदायों को विकास के लाभों से वंचित कर दिया जाता है।

- भ्रष्टाचार या खराब बुनियादी ढांचे जैसे प्रणालीगत मुद्दों के अलावा, इनमें से कई सेवाएं सरकारी अधिकारियों की जवाबदेही और गैर–जवाबदेही की कमी के कारण विफल हो जाती हैं। जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय समुदायों, जो वास्तविक अंतिम उपयोगकर्ता हैं, द्वारा इन सेवाओं के बारे में कम जागरूकता और कमजोर निगरानी के कारण बढ़ गया है ।

- एक बार जब स्थानीय समुदाय जागरूक हो जाता है और अपने गांवों में विकास पहलों और प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की नियमित निगरानी शुरू कर देता है, तो कई मामलों में इन सेवाओं के कामकाज के लिए जिम्मेदार सरकारी प्रतिनिधि बेहतर प्रदर्शन करना शुरू कर देते हैं।

- जमीनी स्तर के अनुभवों से यह भी पता चला है कि विकास पहलों की निगरानी तथा समर्थन और सरकारी कार्यक्रमों के प्रावधान में उनकी भूमिका के बारे में जानने के लिए समुदाय के प्रतिष्ठित/विख्यात लोगों को शामिल करने के स्थानीय साधन उन्हें अच्छी तरह

से जानकार नागरिक बनने में मदद कर सकते हैं, जो अंततः उनके समुदायों को बेहतर बनाने के लिए अग्रणी भूमिका निभाकर आगे बढ़ायेंगे।

- गांव के विकास में उनकी भूमिका और सरकारी कार्यक्रमों तक बेहतर पहुंच को समझते हुए समुदाय के लीडर गांवों में अच्छी गुणवत्ता वाली संपत्ति निर्माण और सरकारी कार्यक्रमों के बेहतर कार्यान्वयन का नेतृत्व कर सकते हैं।

- गांव में विकास की पहल का आकलन करने के लिए, साधन, विकास का सहभागी आकलन (पीएडी) पहल का उपयोग किया जाता है, ताकि समुदाय के लीडर गांव में लाए गए परिवर्तनों के बारे में पता लगाने के लिए स्वयं कार्य कर सकें।

- **पीएडी साधन का उपयोग परियोजना के समाप्त होने के बाद परियोजना के पहलों की स्थायित्व का आकलन करने के लिए भी किया जा सकता है।** सामुदायिक लीडर वार्षिक आधार पर परियोजना हस्तक्षेपों पर पीएडी का संचालन कर सकते हैं ताकि परियोजना हस्तक्षेपों के फायदों का पता लगाया जा सके, कार्यों के पैकेज को अपनाया जा सके और परिसंपत्तियों (जल संचयन संरचनाओं, चेक बांधों, पेयजल आरओ सिस्टम) के कामकाज का पता लगाया जा सके।

- परियोजना टीम परियोजना पहलों की स्थायित्व का आकलन करने के लिए आवश्यक संदर्भ के अनुसार साधन 1 को हल कर सकते हैं। साधन को किसी बाहरी एजेंसी द्वारा प्रशासित नहीं किया जाना चाहिए; इसे सहभागी साधनों का उपयोग करते हुए, समुदाय के लीडरों के साथ साझा किया जाना चाहिए।

ग्राम विकास की निगरानी में विकास पहलों के सहभागी मूल्यांकन (पीएडी) का उपयोग

- विकास पहलों का सहभागी मूल्यांकन (पीएडी) एक ग्राम विकास समिति–स्तर, अंतःक्रिया – आधारित साधन है जो विकास हस्तक्षेपों, विभिन्न अधिकारों और स्थानीय–स्वशासन प्रणालियों के बारे में जागरूकता पैदा करने में मदद करता है। यह विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों में अनिवार्य सामाजिक लेखा परीक्षा कार्यों के समान है, फिर भी सामूहिक चर्चा पर ध्यान केंद्रित किया जाता है न कि सामाजिक जवाबदेही के विभिन्न साधनों के उपयोग पर। प्रयास यह है कि ग्राम पंचायत के समक्ष आने वाली समस्याओं और बाधाओं को उजागर किया जाए और उस पर अमल किया जाए ताकि सुधारात्मक कार्य की जा सके। बाहरी संगठनों या गैर सरकारी संगठनों द्वारा कार्यान्वित परियोजना हस्तक्षेपों के मामलों में, संगठनों को प्रतिक्रिया देने का प्रयास किया जाता है ताकि वे समुदाय के साथ सुधारात्मक उपायों की योजना बना सकें।

- पीएडी बाहरी संगठनों/गैर सरकारी संगठनों को विकास पहलों और सरकारी कार्यक्रमों तक बेहतर पहुंच के कारण परिवर्तन की प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए एक मंच भी प्रदान करता है। समुदाय इस पर प्रतिक्रिया साझा कर सकते हैं कि उन्हें विकास पहलों और सरकारी कार्यक्रमों तक बेहतर पहुंच से कैसे फायदा पहुंचा है। बाहरी संगठन का समन्वयक फायदों का दस्तावेजीकरण कर सकता है और गाँव में समग्र विकास प्रगति को प्रस्तुत कर सकता है। यह समुदायों और समुदाय के लीडरों को परिणामों/परिवर्तनों को समझने, विकास की योजना बनाने की प्रक्रिया सीखने और गांव में इसी तरह के विकास के हस्तक्षेप के लिए प्रयास करने में मदद करेगा।

- यह कार्य वार्ड–वार सफलताओं के साथ–साथ प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में अंतराल की पहचान करने में मदद करता है। पीएडी के प्रमुख चरणों का उल्लेख नीचे किया गया है:

पीएडी के चरण:

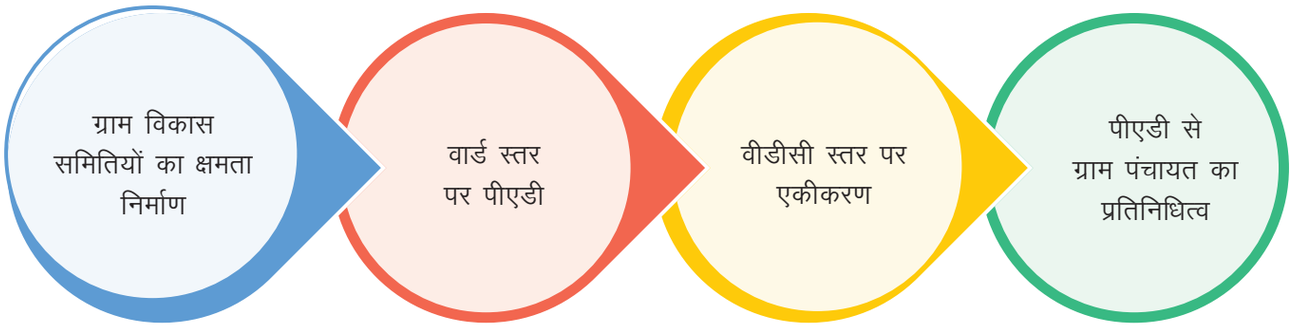

1. पीएडी की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए ग्राम विकास समिति का क्षमता निर्माण: ग्राम विकास समिति को पीएडी के संचालन की प्रक्रिया पर प्रशिक्षित होने के बाद पीएडी कार्य की सुविधा प्रदान करनी चाहिए। वीडीसी को बाहरी एजेंसी द्वारा पीएडी साधन पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

2. पीएडी के लिए वार्डवार बैठकें: वीडीसी को चार समूहों में बांटा गया है और प्रत्येक समूह को ग्राम पंचायत के विभिन्न वार्डों में पीएडी (साधन 1) आयोजित करने का कार्य दिया जाता है। वीडीसी सदस्य परिचर्चा की सुविधा प्रदान करते हैं और ग्रामीणों की प्रतिक्रियाओं को नोट करते हैं। ये प्रतिक्रियाएँ गाँव में सरकारी योजनाओं और विकास पहलों के फायदों तक समुदाय की पहुँच पर डेटाबेस बनाती हैं।

3. वीडीसी स्तर पर पीएडी का एकीकरण: एक बार चयनित वार्डों में पीएडी पूरा हो जाने के बाद प्राप्त आंकड़ों का एकीकरण और इसकी प्रस्तुति वीडीसी स्तर के बैठक में की जाती है। चयनित वार्डों के प्रतिनिधि, विशेष रूप से वार्ड के सदस्य, इस बैठक में भाग ले सकते हैं, जिसे वीडीसी सदस्यों द्वारा सुगम बनाया जाता है। यह आंकड़ा वीडीसी और वार्ड सदस्यों को गांव में सरकारी योजनाओं और विकास पहलों की वर्तमान स्थिति को समझने में मदद करता है।

4. ग्राम पंचायत स्तर पर पीएडी की प्रस्तुति: वीडीसी सदस्यों द्वारा एकीकृत पीएडी आंकड़े ग्राम पंचायत के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। पीएडी आंकड़े की प्रस्तुति पंचायत, वीडीसी और समुदायों को पीएडी में चिन्हित किए गए विकास अंतराल को दूर करने के लिए एक साझा मंच पर एक साथ आने का अवसर देती है।

साधन 1: विकास पहलों का सहभागी मूल्यांकन

विकास हस्तक्षेप	जागरूकता का स्तर (निम्न/मध्यम/उच्च)	उपज में वृद्धि (5%/10%/10% से ज्यादा)	किसानों के पीओपी (0%/10%/25%) को अपनाना	कुल रु लाभ प्राप्त किसान, प्रति परिवार आय में लगभग वृद्धि
1. चयनित फसलों में कार्यों के पैकेज का वितरण				
पीओपी गेहूं				
पीओपी सरसों				
सब्जी की खेती – अच्छे कार्य				

2. आईसीडीएस (आगनवाड़ी केंद्र)	**# लाभार्थी जो इसे प्राप्त करते हैं**	**# लाभार्थी जिन्हें नहीं मिलता है**	**कामकाज की नियमितता (निम्न/मध्यम/उच्च)**	**लाभान्वित बच्चों और महिलाओं की कुल संख्या**
बच्चों के लिए पूरक भोजन				
गर्भवती महिलाओं के लिए पूरक आहार				
बच्चों का टीकाकरण				
शुरूआती स्कूली शिक्षा				
कोई अन्य				
3. बकरी पालन	**वितरित बकरियों की संख्या**	**मृत्यु दर (निम्न/मध्यम/उच्च)**	**2 साल बाद प्रति परिवार आय में वृद्धि की संभावना**	**लाभान्वित परिवारों की कुल संख्या**
वार्ड नं.				
वार्ड नं.				
4. पेंशन	**गांव में कितने लोगों को मिलता हैं**	**कितने पात्र लोगों को नहीं मिलता है**	**वार्ड जहां पात्र गैर पेंशनभोगी रहते हैं**	**पेंशन पाने वाले ग्रामीणों की कुल संख्या**
बुढ़ापा				
विधवा				
अक्षम				
5. घरों में पेयजल आपूर्ति (सरकारी योजना)	**क्या पाइपलाइन बिछाई गई है, पानी की टंकी लगाई गई है (हां/नहीं)**	**क्या पानी की आपूर्ति शुरू हो गई है (हां/नहीं)**	**उन घरों की संख्या जिन्हें नियमित जलापूर्ति मिल रही है (हां/नहीं)**	**स्वास्थ्य पर सुरक्षित पेयजल के परिणाम, प्रति परिवार प्रति वर्ष चिकित्सा उपचार पर बचत (हां/नहीं)**

*****परियोजना टीम अपनी आवश्यकताओं के अनुसार अपने हिसाब से ऐसी और तालिकाएँ जोड़ सकते हैं। इस साधन का उपयोग वीडीसी के साथ परियोजना हस्तक्षेपों के स्थायित्व का आकलन करने के लिए भी किया जा सकता है। आप इन सवालों के जवाब पा सकते हैं कि क्या परियोजना के हस्तक्षेप से परियोजना समाप्त होने के बाद भी समुदाय को लाभ मिल रहा है।*

समन्वयक टिप्पणी

- वीडीसी सदस्य अब गांवों में सरकारी योजनाओं और विकास पहलों के कामकाज की स्थिति जानते हैं।
- समन्वयक उन्हें हर छह महीने में इसी तरह की कवायद करने के लिए मार्गदर्शन कर सकता है और इस पर ग्राम पंचायत/बाहरी एजेंसी को अपडेट कर सकता है। यह सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए ग्राम पंचायत/बाहरी एजेंसी पर दबाव बनाएगा।
- वार्ड स्तरीय बैठक में समुदायों को शामिल करना महत्वपूर्ण है, ताकि समुदाय मुद्दों को समझें और वे ग्राम पंचायत पर दबाव समूह के रूप में भी कार्य करें।
- वार्ड स्तर की बैठकों में महिलाओं और वंचित वर्गों के लोगों के लिए विशेष बैठकें आयोजित की जा सकती हैं क्योंकि उन्हें आम सभाओं में बोलने का अवसर नहीं दिया जाता है।
- महिला समूहों/स्वयं सहायता समूहों को कुछ घरों, जहां वे रहते हैं, का सहभागी मूल्यांकन करने और निष्कर्ष को वीडीसी के साथ साझा करने के लिए प्रेरित करना। वीडीसी इन निष्कर्षों को अपने एकीकरण कार्य में, जहां भी संभव हो, शामिल कर सकता है, जो सोच के पूर्वाग्रह, अगर कोई हो, को समाप्त कर देगा।

पीएडी का प्रभाव

पीएडी ग्राम पंचायत में मौजूदा प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों और विकास पहलों के बारे में वार्ड–स्तरीय चर्चा के लिए एक सक्षम वातावरण बनाता है और इस प्रक्रिया में समुदायों के बीच अधिकारों और चल रही विकास पहलों के बारे में जागरूकता पैदा करता है। सामान्य तौर पर, प्रक्रिया निम्नलिखित तत्काल प्रभाव लाती है:

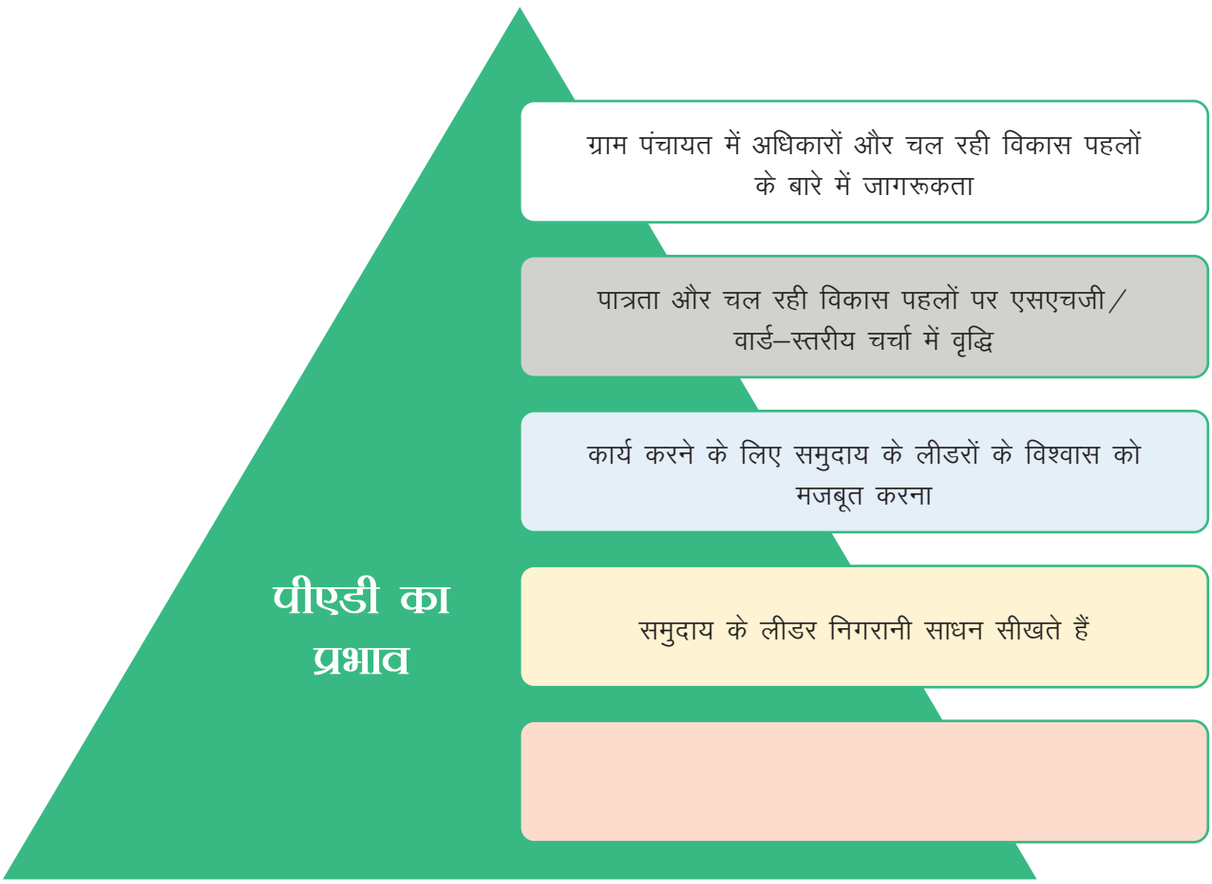

नोट: पीएडी साधन को पीएई साधन से लिया गया है (कुदुम्बश्री, एनआरओ का एमओआरडी, भारत सरकार द्वारा विकसित पात्रता का सहभागी आकलन)

सत्र 5: ग्राम पंचायतों की भूमिका और ग्राम पंचायतों, कृषि विज्ञान केंद्रों और सरकारी विभागों के साथ तालमेल

kinley

ग्राम पंचायतों की भूमिका और ग्राम पंचायतों, कृषि विज्ञान केंद्रों और सरकारी विभागों के साथ तालमेल

तर्कः ग्राम विकास समिति गांव में विकास गतिविधियों की अगुवाई करने वाली एक महत्वपूर्ण संस्था है, जो ग्राम पंचायत के सहयोग से कार्य करती है। ग्राम पंचायत, निर्वाचित निकाय होने के नाते, संपूर्ण पंचायत के विकास के लिए निर्णय लेती है और यह परियोजना में पूर्ण की गई गतिविधियों को दोहराने के लिए सरकारी विभागों से संपर्क कर सकती है। वीडीसी और ग्राम पंचायत कृषि विज्ञान केंद्र और सरकारी विभागों से भी संपर्क कर सकते हैं ताकि किसानों और ग्रामीणों को प्रशिक्षण देने के लिए संसाधन व्यक्ति उपलब्ध करा सकें और सरकारी योजनाओं पर अपडेट प्रदान कर सकें। इन संस्थानों के साथ तालमेल के परिणामस्वरूप ग्रामीणों को सरकारी विभागों से सूचना और लाभ तक बेहतर पहुंच प्राप्त होती है। केवीके और सरकारी विभागों को भी लाभ होता है, क्योंकि उनके कार्यक्रमों तक पहुंच बेहतर होगी।

उद्देश्यः ग्राम विकास समिति के सदस्यों को ग्राम पंचायत, कृषि विज्ञान केंद्र और सरकारी विभागों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि नवीनतम जानकारी के बारे में पता चल सके और फसल प्रदर्शन तथा कृषि में अन्य नवाचारों जैसे लाभों तक पहुंच बेहतर हो सके।

अवलोकनः ग्राम पंचायत, कृषि विज्ञान केंद्र और सरकारी विभागों के साथ तालमेल का महत्व और इसे कैसे पूरा किया जाए

साधनः केस स्टडी चर्चा और कार्य योजना

समयः 120 मिनट

अवलोकन

1. ग्राम विकास समिति के सदस्यों को ग्राम पंचायत तथा कृषि विज्ञान केंद्र और सरकारी विभागों जैसे प्रमुख स्थानीय संस्थानों के साथ तालमेल के औचित्य को समझना महत्वपूर्ण है।

2. ग्राम विकास समिति के सदस्यों को परियोजना के बारे में ग्राम पंचायत को नियमित रूप से अपडेट करना चाहिए और उन्हें परियोजना स्थलों को देखने के लिए आमंत्रित करना चाहिए।

3. ग्राम विकास समिति को ग्राम पंचायत के सहयोग से विशेष दिनों में कार्यक्रम आयोजित करना चाहिए और परियोजना कार्य में सहयोग के लिए सरपंच को सम्मानित करना चाहिए।

4. ग्राम विकास समिति और ग्राम पंचायत को कृषि विज्ञान केंद्र और प्रमुख सरकारी विभागों को विशेष दिनों में होने वाले कार्यक्रमों में आमंत्रित करना चाहिए, विभाग की योजनाओं पर अपडेट मांगना चाहिए और ग्रामीणों को ऑनलाइन आवेदन दाखिल करने में मदद करनी चाहिए।

5. सरपंच और सरकारी अधिकारियों द्वारा परियोजना और पुरस्कार वितरण में बहुत अच्छा काम करने वाले प्रमुख समुदाय के लीडरों का सम्मान करें।

6. प्रगतिशील किसानों को ग्राम पंचायत भवन में इकट्ठा करें और कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के लिए कुछ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करें।

7. कृषि विज्ञान केंद्र और कृषि विभागों को सूचित करें कि प्रगतिशील किसान फसल प्रदर्शनों का परीक्षण करने तथा कृषि मशीनीकरण के उपयोग और किसानों को प्रदर्शन की सुविधा देने के इच्छुक हैं।

केस स्टडीः कृषि विस्तार केंद्र (केवीके), मुजफ्फरपुर, बिहार से जुड़ना

बिहार के मुजफ्फरपुर में एक कृषि परियोजना के परियोजना गांवों में लगभग 150 किसानों को धान, गेहूं और मक्का में कार्यों का पैकेज (पीओपी) दिया गया था और उन्हें नियमित रूप से पीओपी का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। अन्य ग्रामीणों के बीच अच्छी कृषि पद्धतियों का संदेश फैलाने तथा सरकार के कृषि विस्तार विभागों, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) और ग्राम पंचायत के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए गांव में ग्राम विकास समिति का गठन किया गया था। वीडीसी ने परियोजना टीम के साथ ग्राम पंचायत में किसानों के प्रशिक्षण की सुविधा देने और उनके लक्ष्य के अनुसार कुछ प्रदर्शन प्रदान करने के लिए केवीके, सरैया के साथ संबंध स्थापित किए। वर्ष 2019–20 में केवीके द्वारा किसानों को सरसों, दाल, आलू और गेहूं पर तिरेपन प्रदर्शन निष्पादित किए गए। उन्होंने कृषि अभियांत्रिकी विभाग, डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर द्वारा डिजाइन की गई दो हैंड मक्का शेलर मशीनें भी वितरित की हैं। वीडीसी द्वारा केवीके के वैज्ञानिकों को परियोजना के बाद की अवधि में किसानों को प्रशिक्षण देने और नियमित जानकारी अपडेट करने के लिए नियमित रूप से अपनी ग्राम पंचायत में आमंत्रित किया जाता है, जिससे किसानों को उनकी फसल उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलता है।

वीडीसी के एक किसान को इसे जोर से पढ़ने के लिए कहें, फिर समूह को अपने गांव में तालमेल के लिए कार्य योजना बनाने को कहें।

तालमेल बैठक के लिए वीडीसी द्वारा कार्य योजनाः सामूहिक कार्य

1. वीडीसी को दो समूहों में विभाजित करें

2. प्रत्येक समूह को एक महत्वपूर्ण एजेंसी का चयन करने के लिए कहें, जिसके साथ वे तालमेल बैठक आयोजित करना चाहते हैं और क्यों?

3. बैठक आयोजित करने के लिए एक विशेष दिन चुनें।

4. उन ग्रामीणों का चयन करें, जिन्हें बैठक के लिए बुलाया जाएगा और बैठक की व्यवस्था कौन करेगा?

5. चर्चा करें कि तालमेल बैठक से आप किन अपेक्षित लाभों की अपेक्षा करते हैं।

समन्वयक टिप्पणी

- वीडीसी सदस्यों को उन एजेंसियों का चयन करने के लिए मार्गदर्शन करें जो गांव के विकास/सार्वजनिक सेवाओं की जरूरतों को पूरा कर सके।

- उन्हें विश्व जल दिवस, मृदा स्वास्थ्य दिवस, सुशासन दिवस, पंचायत दिवस, बालिका बचाओ, आदि जैसे विशेष दिनों की सूची दें।

- प्रतिभागियों से महिलाओं और वंचित वर्गों को बैठकों के लिए आमंत्रित करते समय उन्हें समान प्रतिनिधित्व देने के लिए कहें।

सत्र 6: ग्राम पंचायत के वार्डों में विकास योजना

ग्राम पंचायत के वार्डों में विकास योजना

तर्कः ग्राम विकास समिति के सदस्य, प्रशिक्षण के पांच सत्रों के बाद, विकास पहलों और समुदाय के साथ और बेहतर रूप से जुड़ने की आवश्यकता के बारे में जानते हैं। उन्होंने यह भी महसूस किया होगा कि उन्हें अपने सामने आने वाले विकास के मुद्दों को हल करने में अग्रणी भूमिका निभाने की जरूरत है। समुदाय के साथ उनके जुड़ाव का प्रवेश बिंदु वार्ड–स्तरीय बैठक हो सकती है जहां वे ग्रामीणों को विकास से संबंधित समस्याओं को साझा करने और उन्हें आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच के लिए प्रेरित कर सकते हैं। ग्राम पंचायत और सरकारी विभाग के समक्ष मांगों को उठाने में ग्राम विकास समिति इन बैठकों के माध्यम से ग्रामीणों का समर्थन प्राप्त कर सकता है। इस प्रक्रिया में, यह प्रक्रिया उन ग्रामीणों को भी प्रेरित करती है जो ग्राम पंचायत में विकास के मुद्दों को उठाने का बीड़ा उठाने के लिए ग्राम विकास समिति का हिस्सा नहीं हैं।

उद्देश्यः ग्राम विकास समिति के सदस्यों को ग्राम पंचायत की विकास योजना में वार्ड के अन्य ग्रामीणों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना।

अवलोकनः वार्ड में विकास योजना के चरणों का संक्षेप में वर्णन किया गया है, जो ग्रामीणों को स्वयं कार्य करने में सक्षम बनाएगा।

साधनः केंद्रित सामूहिक परिचर्चा

समयः 120 मिनट

अवलोकन

ग्राम पंचायत में महिलाओं और किसानों की जरूरतों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने के लिए बॉटम–अप योजना एक शक्तिशाली साधन है। ग्राम विकास में उनका समावेश और उससे संबंधित निर्णय यह सुनिश्चित करते हैं कि समाज के सभी वर्गों को विकास का लाभ मिले। इस प्रक्रिया के माध्यम से विकास योजना और हस्तक्षेपों के बारे में स्थानीय ज्ञान का भी फायदा उठाया जा सकता है। ऐसा करने के लिए ग्राम सभा सबसे अच्छा मंच है, लेकिन बैठक के आयोजन में आने वाली कठिनाइयों और महिलाओं तथा गरीबों के लिए इसमें भाग लेने के अवसरों की कमी के कारण, वार्ड स्तर पर छोटी बैठकें लोगों को स्थानीय विकास में शामिल करने का एक अच्छा तरीका हो सकता है।

वार्ड स्तरीय बैठक या वार्ड सभा बुलाना हमेशा आसान होता है और वार्ड में रहने वाले ग्रामीणों को मौखिक रूप से सूचित किया जा सकता है। ऐसी बैठकों में, गरीबों और महिलाओं के पास भाग लेने के लिए जगह होती है और वे अपने जीवन में आने वाली समस्याओं की पहचान करते हुए अपनी बात रखते हैं और वे सरकार से क्या करने की उम्मीद करते हैं।

फायदे

- वास्तविक लाभार्थियों द्वारा एक योजना बनाई जाती है, जो स्थानीय आवश्यकताओं और शर्तों के प्रति अधिक उत्तरदायी होती है।
- यह समुदाय के लिए अपने स्वयं के विकास में उनकी भागीदारी की क्षमता को बढ़ाता है

वार्ड में विकास योजना के लिए कदम

1. **पर्यावरण निर्माणः** ग्राम विकास समिति के सदस्य अपने वार्ड के सदस्यों और कुछ घरों के साथ बातचीत

करते हैं, वे उन्हें वार्ड की समस्याओं और जरूरतों तथा ग्राम पंचायत से उनकी अपेक्षाओं पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा करते हैं। वार्ड सदस्यों के साथ, वीडीसी सदस्य बैठक का समय और तारीख तय करते हैं और जल संचालक/पंचायत पदाधिकारियों/चौकीदार को घरों को सूचित करने के लिए कहते हैं। वार्ड का एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया है, जहां सदस्यों को बैठक की सूचना दी जाती है। एक युवा लीडर को ग्रुप चलाने और सदस्यों को नवीनतम जानकारी देने की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

2. **समस्या विश्लेषण और आवश्यकता की पहचानः** आवश्यकताओं की पहचान के लिए, समुदाय में समस्याओं पर चर्चा करने की आवश्यकता है। उन्हें समस्याओं के कारणों, एजेंसियों/समस्याओं के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने की जरूरत है और फिर समस्याओं के समाधान के लिए जरूरतों की पहचान करने की जरूरत है। समस्याओं पर चर्चा समुदाय को समस्याओं के कारणों और परिणामों से अवगत कराएगी, जो उन्हें कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी। उदाहरण के लिए, किसी वार्ड में घरेलू जल संग्रह की समस्या हैः समस्या विश्लेषण में ग्रामीण उन घरों की पहचान करते हैं जिनसे गली में पानी बह रहा है, नालियों की स्थिति, नालियों के बंद होने, पानी के रुकने के परिणाम जैसे मच्छर, मक्खियाँ गली में रहने वाले परिवारों में बीमारियाँ पैदा करती हैं, परिवारों को गली में चलने में कठिनाई होती है और बीमारियों का खर्चा आता है। अपशिष्ट जल के समस्या का विश्लेषण समस्या को समझने, परिणाम और समस्या को हल करने के लिए सुधारात्मक कार्यों को समझने में उनकी मदद करता है। यह सुनिश्चित किया जाए कि महिलाओं और वंचित वर्गों के सदस्यों को चर्चा में बोलने का अवसर मिले।

3. **जरूरतों को प्राथमिकता देनाः** किसी वार्ड में एक बार वार्ड की जरूरतों की पहचान हो जाने के बाद, समुदाय को महत्व के क्रम में जरूरतों को प्राथमिकता देने की जरूरत है। जिन जरूरतों पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है, वे सूची में सबसे ऊपर होनी चाहिए। एक बार पहचान की गई जरूरतों को वार्ड और ग्राम पंचायत स्तर पर सुधार कार्रवाई के लिए ले जाया जाना चाहिए। ग्राम पंचायत और ग्राम सभा में बार–बार जरूरतों को उठाना, ग्राम पंचायत में चुनाव प्रतिनिधि पर कार्य करने के लिए दबाव बनाता है।

साधन 1: जरूरत की पहचान के लिए केंद्रित सामूहिक परिचर्चा

एक बार जब ग्रामीण वार्ड सभा के लिए इकट्ठा हो जाते हैं, तो सभी को बैठने की जगह दी जाती है। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी प्रतिभागी या तो फर्श पर या कुर्सियों पर बैठें। कुछ सदस्यों का कुर्सियों पर बैठना और कुछ का फर्श पर बैठना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। (आमतौर पर महिलाओं और निर्धनों को फर्श पर बैठने की जगह दी जाती है, लेकिन ऐसा करने से बचना चाहिए।)

1. **समस्या विश्लेषण और आवश्यकता की पहचानः** वार्ड सदस्य बैठक के एजेंडे की व्याख्या करता है और प्रतिभागियों से विकास से संबंधित समस्याओं और उनके सामने आने वाली सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच के बारे में पूछता है। एक युवा फ्लिप चार्ट पर समस्याओं को लिखता है। वार्ड स्तर पर समुदाय द्वारा हल की जा सकने वाली समस्याओं को चार्ट 1 पर लिखा जाता है, ग्राम पंचायत द्वारा हल की जा सकने वाली समस्याओं को चार्ट 2 पर लिखा जाता है और जिला/राज्य/राष्ट्रीय सरकार द्वारा हल की जा सकने वाली समस्याओं को चार्ट 3 पर लिखा जाता है। महिला और सदस्य वंचित वर्गों के लोगों को परिचर्चा में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाए।

चार्ट 1: समुदाय स्तर की समस्यायें

➢

चार्ट 2: ग्राम पंचायत स्तर की समस्यायें

➢

चार्ट 3: जिला/राज्य स्तर की समस्यायें

➢

2. **जरूरतों को प्राथमिकता दें:** एक बार समस्याओं की पहचान हो जाने के बाद, वार्ड सदस्य इन समस्याओं को जोर से पढ़ता है ताकि प्रत्येक प्रतिभागी को वार्ड में ग्रामीणों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं के बारे में पता चले। फिर ग्रामीणों को चार्ट 1 में सबसे महत्वपूर्ण समस्या के लिए हाथ उठाने के लिए कहा जाता है। इस तरह, वे चार्ट 1 की तीन सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं की पहचान करते हैं। ग्रामीणों को उन जरूरतों का वर्णन करने के लिए कहा जाता है जो समस्या का समाधान करेंगे। उदाहरण के लिए, यदि ग्रामीणों ने वार्ड में अपशिष्ट जल के संग्रह की समस्या की पहचान की है, तो वार्ड में अपशिष्ट जल का प्रबंधन करने की आवश्यकता होगी।

   चार्ट 2 और चार्ट 3 की तीन सबसे महत्वपूर्ण जरूरतों की पहचान के लिए इस प्रक्रिया का पालन किया जाता है। ग्राम विकास समिति का सदस्य या युवा स्वयंसेवक चार्ट 1, चार्ट 2 और चार्ट 3 पर ग्रामीणों द्वारा पहचानी गई महत्वपूर्ण जरूरतों को चिह्नित करते हैं।

चार्ट 1: समुदाय स्तर पर प्राथमिकता की जरूरत

➢

चार्ट 2: ग्राम पंचायत स्तर पर प्राथमिकता की जरूरत

➢

चार्ट 3: जिला/राज्य स्तर पर प्राथमिकता की जरूरत

➢

अंत में, प्रतिभागियों को उनके द्वारा चिन्हित की गई जरूरतों के अनुसार कार्य बिंदुओं की योजना बनाने के लिए कहा जाता है। युवा स्वयंसेवी/ग्राम विकास समिति के सदस्य एक्शन पॉइंट लिखता है और प्रतिभागियों को इसके लिए समय–सीमा भी तय करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह चर्चा तीनों चार्टों के लिए की गई है।

चार्ट 2 और चार्ट 3 में चिन्हित की गई समस्याओं को आगे की कार्रवाई के लिए लिखित आवेदन पर ग्राम पंचायत को अग्रेषित किया जाता है।

समन्वयक टिप्पणी

1. वार्ड स्तरीय बैठक में भीड़ प्रबंधन एक मुद्दा हो सकता है, यदि बैठक में चालीस से अधिक ग्रामीण एकत्र होते हैं। ऐसी स्थिति में ग्राम विकास समिति के सदस्यों को बैठक को दो समूहों में विभाजित करने की आवश्यकता होगी और अलग–अलग ग्राम विकास समिति सदस्य विभिन्न समूहों में कार्य का नेतृत्व करेंगे। इससे सभी वर्गों को बैठक में अपनी राय देने में मदद मिलेगी। प्रत्येक समूह में चर्चा को बाद में ग्राम विकास समिति की बैठक में एकीकरण किया जा सकता है।

2. ग्राम विकास समिति के सदस्य वार्डों में किसी भी समस्या का उदाहरण देकर चर्चा शुरू कर सकते हैं, इस प्रकार ग्रामीणों को वार्ड में समस्याओं और संबंधित जरूरतों के बारे में सोचने का संकेत मिल सकता है।

3. जरूरतमंदों द्वारा हाथों को उठाने की प्राथमिकता को सावधानी से संभाला जाना चाहिए क्योंकि कुछ ग्रामीणों द्वारा चिन्हित की गई जरूरतों को बहुमत का साथ नहीं मिल सकता है। ग्राम विकास समिति के सदस्यों को ऐसे ग्रामीणों को सावधानीपूर्वक समझाना चाहिए कि उनकी जरूरतें महत्वपूर्ण हैं और आने वाली बैठकों में इसे उठाया जाएगा।

अनुलग्नक: ग्राम विकास समिति पाठ्यचर्या

पचायत /प्रखण्ड
जिला /राज्य
बोलकर
लिखकर
नाली बनाना

ग्राम विकास समिति (वीडीसी)
एकीकृत ग्राम विकास परियोजना के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

उद्देश्यः ग्राम विकास समिति के सदस्यों को उनके गांवों में ग्राम विकास का समर्थन और नेतृत्व करने में सक्षम बनाना

प्रशिक्षण सत्र	विषय	मुख्य/वैकल्पिक विषय	टिप्पणी
1 (अप्रैल)	एक दूसरे को जानना और गांव में विकास की जरूरतों का आकलन	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
2 (मई)	आत्मविश्वास बढ़ाना और सार्वजनिक रूप से बोलना	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
3 (जून)	ग्राम विकास समिति की सदस्यता, भूमिका और जिम्मेदारियां	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
4 (जुलाई)	मृदा स्वास्थ्य, पोषक तत्व प्रबंधन और खरीफ में अच्छी फसल पद्धतियां, और पशु स्वास्थ्य प्रबंधन	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
5 (अगस्त)	ग्राम पंचायत में मुख्य धारा में लैंगिक समानता लाना और विकास की पहल	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
6 (सितम्बर)	4–5 सरकारी कार्यक्रमों की जागरूकता और कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से आवेदनों की ऑनलाइन फाइलिंग	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
7 (अक्टूबर)	मृदा स्वास्थ्य, पोषक तत्व प्रबंधन और रबी में अच्छी फसल पद्धतियां, और पशु स्वास्थ्य प्रबंधन	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
8 (नवम्बर)	सफाई व्यवस्था तथा स्वच्छता और स्वच्छता अभियान पर व्यवहार परिवर्तन	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
9 (दिसम्बर)	विकास हस्तक्षेपों का सहभागी मूल्यांकन	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
10 (जनवरी)	ग्राम पंचायतों की भूमिका और ग्राम पंचायतों, कृषि विज्ञान केंद्रों और सरकारी विभागों के साथ तालमेल	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
11 (फरवरी)	4–5 सरकारी कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता और सामान्य सेवा केंद्र के माध्यम से आवेदनों की ऑनलाइन फाइलिंग, इसके बाद स्वच्छता अभियान	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
12 (मार्च)	ग्राम पंचायत के वार्डों में विकास योजना	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता

ग्राम विकास समिति (वीडीसी)
कृषि परियोजनाओं के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

उद्देश्यः ग्राम विकास समिति के सदस्यों को उनके गांवों में ग्राम विकास का समर्थन और नेतृत्व करने में सक्षम बनाना

प्रशिक्षण सत्र	विषय	मुख्य/वैकल्पिक विषय	टिप्पणी
1 (अप्रैल)	एक दूसरे को जानना और गांव में विकास की जरूरतों का आकलन	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
2 (मई)	आत्मविश्वास बढ़ाना और सार्वजनिक रूप से बोलना	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
3 (जून)	खरीफ में मृदा स्वास्थ्य, पोषक तत्व प्रबंधन और अच्छी फसल पद्धतियां	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
4 (जुलाई)	खरीफ में कृषि यंत्रीकरण और सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का प्रयोग	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
5 (अगस्त)	ग्राम पंचायत में मुख्यधारा में लैंगिक समानता लाना और विकास की पहल	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
6 (सितम्बर)	पशु स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन (बकरी, गाय, भैंस)	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
7 (अक्टूबर)	मृदा स्वास्थ्य, पोषक तत्व प्रबंधन, और रबी में पीओपी अच्छी फसल पद्धतियां	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
8 (नवम्बर)	रबी में कृषि यंत्रीकरण और सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का प्रयोग	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
9 (दिसम्बर)	विकास हस्तक्षेपों का सहभागी मूल्यांकन	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
10 (जनवरी)	कृषि और संबद्ध गतिविधियों और आवेदनों की ऑनलाइन फाइलिंग पर प्रमुख सरकारी कार्यक्रम	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
11 (फरवरी)	ग्राम पंचायतों की भूमिका और ग्राम पंचायतों, कृषि विज्ञान केंद्रों और सरकारी विभागों के साथ तालमेल	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
12 (मार्च)	ग्राम पंचायत के वार्डों में विकास योजना	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता

ग्राम विकास समिति (वीडीसी)
जल परियोजनाओं के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

उद्देश्यः ग्राम विकास समिति के सदस्यों को उनके गांवों में जल हस्तक्षेप का समर्थन और नेतृत्व करने में सक्षम बनाना

प्रशिक्षण सत्र	विषय	मुख्य/वैकल्पिक विषय	टिप्पणी
1 (अप्रैल)	एक दूसरे को जानना और गांव में विकास की जरूरतों का आकलन	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
2 (मई)	आत्मविश्वास बढ़ाना और सार्वजनिक रूप से बोलना	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
3 (जून)	जल प्रबंधन समितियों/टैंक उपयोगकर्ता समूहों की भूमिका (परियोजना के हस्तक्षेप और जल संरक्षण की स्वदेशी प्रयासों, सामुदायिक सहायता, योजना, सामुदायिक योगदान, अपेक्षित लाभ, परियोजना को चलाने में सहायता और एनओसी प्राप्त करने के बारे में)	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
4 (जुलाई)	नागरिक संरचना के डिजाइन को समझनाः बांध, टैंक, तालाब, पुनर्भरण कुओं, छत जल संचयन संरचनाओं, सोक गड्ढे/कुओं, पेयजल भंडारण टैंकों की जांच करें; और निर्माण की निगरानी	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
5 (अगस्त)	ग्राम पंचायत में मुख्य धारा में लैंगिक समानता लाना और विकास की पहल	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
6 (सितम्बर)	गांव में पानी का बजट, अवधारणा को समझाना	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
7 (अक्टूबर)	गांव में जल बजट बनाना, पानी के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देना	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
8 (नवम्बर)	विकास हस्तक्षेपों का सहभागी मूल्यांकन	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
9 (दिसम्बर)	नागरिक संरचनाओं का संचालन और रखरखाव	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है
10 (जनवरी)	ग्राम पंचायतों की भूमिका और ग्राम पंचायतों और सरकारी विभागों के साथ तालमेल	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
11 (फरवरी)	ग्राम पंचायत के वार्डों में विकास योजना	स्थायित्व पहल	विषय नहीं बदला जा सकता
12 (मार्च)	विश्व जल दिवस पर जल–बचत अभियान का आयोजन (ग्रामीणों के साथ छोटी बैठक में जल बजट के निष्कर्षों को साझा करना और उसके बाद गाँव के आसपास के बच्चों द्वारा रैलियाँ करना)	परियोजना पहल	परियोजना टीम विषय निर्धारित करती है

संदर्भ

- वुमन लीडरशिप स्कूल, जमीनी स्तर पर महिलाओं के नेतृत्व के निर्माण के लिए प्रशिक्षण गाइड, एस एम सहगल फाउंडेशन, 2021, गुरुग्राम।
- कुदुम्बश्री, एनआरओ पीआरआई–सीबीओ कन्वर्जेंस मॉड्यूल, राज्य गरीबी उन्मूलन मिशन, केरल सरकार (एन.डी.) *https://www.kudumbashree.org/*
- ओ'नील, टैम, जॉर्जिया प्लैंक, और पिलर डोमिंगो, महिलाओं और लड़कियों के नेतृत्व को समर्थन साक्ष्य की एक त्वरित समीक्षा, ओडीआई, 2015।
- ग्राम पंचायत विकास योजना, 2021–22 के लिए जन योजना अभियान। पंचायती राज मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, 2020
- ट्रेनर मैनुअल, महिलाओं के राजनीतिक नेतृत्व को बढ़ावा देना और जेंडर रिस्पॉन्सिव गवर्नेंस, एनआईआरडी, 2012
- यूनिसेफ, खेल और एक्सरसाइजः सहभागी समूह कार्यक्रमों में शामिल समन्वयकों और प्रशिक्षकों के लिए मैनुअल। डेव द चिल्ड्रन रिसोर्स सेंटर, 2014
- जेंडर समानता परिणामों पर जेंडर मेनस्ट्रीमिंग के लिए हैंडबुक, यूएन वीमेन,
- सहभागी पंचायत स्तरीय योजना की प्रक्रिया, पीआरआईए, 1998, नई दिल्ली
- कार्नेगी, डेल, द क्विक वे ऑफ इफेक्टिव स्पीकिंग। पॉकेट बुक्स, 1962
- कोवी, स्टीफन आर. अत्यधिक प्रभावी लोगों की 7 आदतें, साइमन एंड शूस्टर, 2013
- ट्रेसी, ब्रायन, लीडरशिप, मंजुल पब्लिशिंग हाउस, 2018

नोट्स

नोट्स

SEHGAL FOUNDATION

प्लॉट नं. 34, सेक्टर 44, इंस्टीट्यूशनल एरिया, गुरुग्राम, हरियाणा–122003, भारत
www.smsfoundation.org

हम मिलकर
ग्रामीण भारत को
सशक्त बनाते हैं